हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 351, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 9 जून, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

मंकीपाक्स संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सावधानी बरतने के दिए निर्देश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 के अधिकारियों के साथ की बैठक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोविड 19 को लेकर लखनऊ में टीम-9 के अधिकारियों के साथ बैठक की। कोरोना संक्रमण की चौथी लहर की आशंका के बीच मुख्यमंत्री योगी ने कोविड प्रबंधन हेतु गठित टीम-9 को दिशा-निर्देश जारी किए। कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति संतोषप्रद है।

33 करोड़ से अधिक कोविड टीकाकरण के साथ ही 18+ आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 93.44 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15-17 आयु वर्ग के 98.21 प्रतिशत किशोरों और 12 से 14 आयु वर्ग के 90.16 प्रत?शत से अधिक बच्चों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। पात्र लोगों को टीके की दूसरी खुराक समय से दिया जाए। 18+ आयु के लोगों को बूस्टर डोज दिए जाने में तेजी की अपेक्षा है। बूस्टर डोज की महत्ता और बूस्टर टीकाकरण केंद्रों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। विभिन्न राज्यों में कोविड के नए केस में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि

उत्तर प्रदेश में पॉजिटिविटी दर न्यूनतम है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 914 है। 849 लोग होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। विगत 24 घंटों में 96 हजार से अधिक टेस्ट किए गए और 170 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 159 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर हमें सतर्क रहना होगा। विभिन्न देशों में मंकीपाक्स संक्रमण के बढ़ते केस को देखते हुए प्रदेश में सावधानी बरती जाए। मंकीपाक्स के लक्षण, उपचार आदि के बारे में भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आमजन को जागरूक किया जाए। संदिग्ध लक्षण वाले लोगों के रक्त आदि की समुचित जांच कराई जाए। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक द्वारा यह सुनिश्चित कराया जाए कि जिलाधिकारी/पुलिस कप्तान जनसमस्याओं के त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान के प्रति संवेदनशील रहें। आमजन के प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध ढंग से निस्तारण हो। डीएम/एसपी/एसएसपी स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद कर मार्गदर्शन लेते रहें। उद्योग बंधु की बैठक नियमित अंतराल पर हो। जल जीवन मिशन परियोजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाए। जल जीवन मिशन के कार्यों की कृषि उत्पादन आयुक्त के स्तर पर समीक्षा की जाए। प्रदेश के किसी भी जनपद में अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड, रिक्शा स्टैंड संचालित नहीं होंगे। जहां कहीं भी ऐसी गतिविधियां संचालित हो रही हों, उन्हें तत्काल बंद कराया जाए। यह स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है कि आमजनता को पार्किंग की स्थायी जगह उपलब्ध कराए। अब तक इस सम्बंध में हुई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

समेकित प्रयासों से प्रदेश में जीएसटी संग्रह में सतत बढोतरी हो रही है। इसे और बेहतर करने की जरूरत है। अधिकाधिक व्यवसायी जीएसटी में अपना पंजीयन कराएं, इसके लिए व्यवसायियों को प्रोत्साहित किया जाए। राजस्व संग्रह को बढाने और व्यवसायी बंधुओं को सुविधा के लिए तकनीक का भी उपयोग किया जाना चाहिए। विकास प्राधिकरणों की कार्यशैली में व्यापक सुधार अपेक्षित है। सभी विकास प्राधिकरण अपनी वर्तमान और भावी कार्ययोजना तैयार करें। अतिशीघ्र मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी समीक्षा की जाएगी।

भाजपा ने विधान परिषद चुनाव के लिए घोषित किए उम्मीदवार, केशव प्रसाद मौर्य सहित कई मंत्री शामिल

लखनऊ। भाजपा ने यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित उन सभी मंत्रियों को विधान परिषद भेजने का निर्णय लिया है जो कि अभी तक किसी भी सदन

के सदस्य नहीं हैं। पार्टी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद के अलावा, चौधरी भूपेंद्र सिंह, दयाशंकर मिश्र दयालु, जे पी एस राठौर, नरेंद्र कश्यप, जसवंत सैनी, दानिश आजाद अंसारी, बनवारीलाल दोहरे और मुकेश शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। प्रदेश में 13 एमएलसी सीटो के लिए 20 जून को चुनाव होंगे जिसके लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के अलावा, योगी सरकार के छह अन्य मंत्री भूपेंद्र सिंह, दयाशंकर दयालु मिश्र, जीपीएस राठौर, नरेंद्र कश्यप, जसवंत सैनी और दानिश आजाद अंसारी विधान परिषद जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी में खाली सीटों पर जताई नाराजगी, कहा- छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को नीट पीजी-2021 में 1456 खाली सीटों पर मेडिकल काउंसलिंग कमेटी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाता है, तो वह आदेश पारित करेगा और उन्हें मुआवजा भी देगा। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ ने एमसीसी के वकील से कहा, 'भले ही एकल पाठ्यक्रम खाली रह गया हो... यह देखना आपका कर्तव्य है कि सीटें खाली न रहें।'

'छात्रों के भविष्य के साथ कर रहे खिलवाड़'- पीठ ने इस पर नाराजगी जताई कि 2021-22 सत्र में मेडिकल कालेजों में 1456 सीटें खाली रह गई हैं। पीठ का कहना है कि एमसीसी और केंद्र सरकार छात्रों के लिए काउंसलिंग का माप अप राउंड आयोजित नहीं करके उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पीठ ने कहा, 'आप छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं...' पीठ ने कहा कि मई में अधिकारियों को पता चला कि सीटें खाली हैं, तो उन्होंने माप अप राउंड क्यों नहीं किया।

एमसीसी के वकील ने हलफनामा पेश करने का किया अनुरोध- पीठ ने एमसीसी के वकील से कहा, 'काउंसिलिंग के दौरान आप सीटों को क्यों जोड़ रहे हैं? एक कट आफ होना चाहिए कि आज की तारीख में कई

सीटें हैं...' इस पर एमसीसी के वकील ने कहा कि इस मामले में आदेशों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि वह मामले को स्पष्ट करने के लिए उन्हें एक हलफनामा पेश करने की अनुमति दें।

'छात्रों को प्रवेश नहीं दिया गया, तो पारित करेंगे आदेश'- शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा कि देश को डाक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा पेशेवरों की जरूरत है और एमसीसी के वकील से कहा कि अगर छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाता है, तो वह एक आदेश पारित करेगा और उन्हें मुआवजा भी देगा। शीर्ष अदालत ने संबंधित अधिकारियों को गुरुवार को अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया, जब वह मामले में आदेश पारित करेगी।

'कल अपने अधिकारियों को बुलाइए'- पीठ ने कहा, 'हम मुआवजे का भुगतान करने के लिए आदेश पारित करेंगे... इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? ... कल अपने अधिकारी को बुलाइए...।' पीठ ने आगे कहा, 'हमें डॉक्टरों की जरूरत है ... कोई कारगर व्यवस्था क्यों नही हैं? ... क्या आप छात्रों और अभिभावकों के तनाव के स्तर को जानते हैं?' पीठ ने एमसीसी के वकील को दिन के दौरान अपना हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी और जोर दिया, 'ये छात्रों के अधिकारों से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं'। शीर्ष अदालत ने एक डाक्टर अथर्व तुंगटकर की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं, जो NEET PG-2021 को क्वालीफाइ किया हैं। अधिवक्ता कुणाल चीमा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया हैः 'याचिकाकर्ता इस अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए विवश है क्योंकि कीमती मेडिकल सीटें अधूरी / गलत तरीके से भरी जा सकती हैं और योग्यता हताहत हो सकती हैं।

धार्मिक भावनाएं आहत करने का वाद सुनवाई योग्य नहीं, सख्त टिप्पणी के साथ मामला खारिज

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग की जानकारी के बाद भी वहां वजूस्थल बनाकर हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में अंजुमन इंतजामिया

मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव सहित सैकड़ों अज्ञात पर मुकदमा दर्ज करने की मांग संबंधी वाद को विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सर्वोत्तमा नागेश वर्मा की अदालत ने सुनवाई के योग्य नहीं माना है। अदालत ने मंगलवार को वादी पक्ष पर सख्त टिप्पणी के साथ वाद को खारिज कर दिया। वाद को खारिज करते हुए अदालत ने टिप्पणी की, कि ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में सिविल वाद और सर्वे के तथ्य अलग हैं। यह मामला संवेदनशील है और सिविल न्यायालय में विचाराधीन हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वादी ने संवेदनशील मुद्दे पर व्यक्तिगत रूप से अपना हित साधने और लाइम लाइट में बने रहने के लिए आवेदन दिया है। अदालत ने कहा कि यह कदापि उचित नहीं है। वाद पोषणीय (सुनने योग्य) नहीं होने के कारण खारिज किया जाता है। प्रार्थी राजा आनंद ज्योति सिंह की ओर से विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर मिले शिवलिंग की जानकारी होने के बाद भी वजू स्थल बनाया गया था। वहां गंदा पानी गिराए जाने के चलते हिंदू धर्मावलंबियों की धार्मिक भावना आहत हुई है।

पूजा की मांग पर सुनवाई पूरी- ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के राग, भोग, पूजन-अर्चन की मांग पर मंगलवार को जिला जज की अदालत में सुनवाई पूरी कर ली गई। राग, भोग के लिए अनुमति देने की याचना के लिए वादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने करीब आधे घंटे तक दलीलें दीं। अदालत ने सुनवाई के बाद आदेश के लिये पत्रावली सुरक्षित कर ली। अब इस मामले में अदालत के फैसले का इंतजार है।

पूर्व मंत्री याकूब के घर की कुर्की की अर्जी कोर्ट में हुई निरस्त, धरपकड़ में लगी पुलिस टीम

मेरठ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके बेटों तथा दो कर्मचारियों की संपत्ति कुर्क करने की अर्जी को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। तर्क दिया कि याकूब पक्ष की तरफ से हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत को अर्जी लगा दी गई है। जमानत की अर्जी निरस्त होने के बाद ही कोर्ट से कुर्की का आदेश मिल पाएगा। सोमवार को खरखौदा थाने में पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके परिवार के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि 82 सीआरपीसी का घर पर नोटिस लगाने के बाद भी याकूब और उसका परिवार अदालत में हाजिर नहीं हुए है। सभी ने अदालत के आदेश की अवेहलना की है। पुलिस ने सभी के खिलाफ आइपीसी की धारा 74ए के तहत मुकदमा दर्ज किया। उसके बाद याकूब और परिवार के सदस्यों की संपत्ति कुर्क करने के लिए कोर्ट में अर्जी लगा दी है। एसपी देहात केशव कुमार ने बताया कि कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पुलिस की तरफ से डाली अर्जी को निरस्त कर दिया है।

बताया गया कि याकूब के परिवार ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई है। एसएसपी ने बताया कि याकूब और उसके परिवार को पकड़ने के लिए दोबारा से टीम बनाई गई है। उनकी लोकेशन दिल्ली में आने के बाद पुलिस ढूंढ रही है।

अल फहीम से जुड़ी सभी मीट फैक्ट्री कराई जाएंगी बंद- पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और दोनों बेटे की फरारी पर 82 सीआरपीसी का नोटिस चस्पा करने के बाद तीस दिन का समय पूरा हो गया है। साथ ही पुलिस अल फहीम मीटेक्स प्रा. लि. से जुड़ी अन्य तीन मीट फैक्ट्री भी बंद कराई जाएगी। याकूब के मैनेजर मोहित त्यागी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। 31मार्च को हापुड रोड स्थित अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लि. मीट फैक्ट्री में छापामारी कर करीब पांच करोड़ कीमत का मीट पकड़ा था। पुलिस ने याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी शमजिदा, बेटा फिरोज और इमरान, मैनेजर मोहित त्यागी समेत 17 आरोपित बनाए है। याकूब कुरैशी, फिरोज, इमरान अभी फरार चल रहे है।

पीएम ने अवनि लखेड़ा और श्रीहर्ष देवरेड्डी को स्वर्ण पदक जीतने पर दी बधाई, कहा- हमें आप पर गर्व है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को टोक्यो पैरालंपिक चैम्पियन अवनि लखेड़ा को पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने निशानेबाज श्रीहर्ष देवरेड्डी के अपनी श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

अवनि ने तोड़ा अपना ही रिकार्ड- अवनि लखेड़ा ने मंगलवार को फ्रांस के चेटौरौक्स में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में 250.6 के विश्व रिकार्ड स्कोर के साथ पैरा शूटिंग विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता। 20 वर्षीय लखेड़ा ने 249.6 का अपना ही विश्व रिकार्ड तोड़कर 2024 पेरिस पैरालंपिक में अपना स्थान पक्का किया।

'दूसरों को प्रेरणा देती रहें'- पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'इस

ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अवनी लखेड़ा को बधाई। आप सफलता की नई ऊंचाइयां छूती रहें और दूसरों को प्रेरणा देती रहें। आपको मेरी शुभकामनाएं।' एक अन्य ट्वीट में, मोदी ने कहा, 'स्वर्ण जीतने के लिए श्रीहर्ष देवरद्दी पर गर्व है। उनका दृढ़ संकल्प वास्तव में प्रेरक है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'

'स्वर्ण घर लाने पर गर्व है'- अवनि लखेड़ा ने जीत के बाद ट्वीट किया, 'Chatauroux 2022 में WR स्कोर और भारत को पेरिस पैरालंपिक 2024 का पहला कोटा दिलाने के साथ R2 10M एयर राइफल SH1 इवेंट में स्वर्ण घर लाने पर गर्व है। यह पैरालंपिक के बाद मेरा पहला इवेंट था। मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद।'

गेम खेलने से मां ने रोका तो बच्चे ने गोली मारकर की हत्या बहन को धमकाकर शव के साथ तीन दिन घर में रहा कैद

लखनऊ। मोबाइल पर गेम खेलने की लत कितनी घातक है इसका अंदाजा आप इस घटना से लगा सकते हैं। राजधानी लखनऊ के पीजीआइ इलाके के पंचमखेड़ा यमुना पुरम में एक 16 वर्षीय किशोर को मोबाइल पर बैटल ग्राउंड गेम (पुराना नाम पब्जी) खेलने की ऐसी लत लगी की उसने मां के मना करने पर गोली मार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद 10 साल की बहन को धमकाया। तीन दिन तक बहन के साथ घर के अंदर ही रहा। मंगलवार रात जब दुर्गंध बर्दाश्त नहीं हुई तो पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी और कहा कि एक युवक ने मेरी मां की हत्या कर दी है। पुलिस जब सूचना पर पहुंची तो पूछताछ में घटना का राजफाश हुआ।

एडीसीपी पूर्वी सैयद मोहम्मद कासिम आब्दी के मुताबिक किशोर क्षेत्र स्थित स्कूल से कक्षा 10 का छात्र है। उनके पिता नवीन सिंह सेना में जेसीओ (जूनियर कमीशन आफीसर) के पद पर तैनात हैं। इस समय उनकी पोस्टिंग आसनसोल में हैं। अक्षांश यहां अपनी मां 40 वर्षीय मां साधना और बहन के साथ रह रहा था। शनिवार रात उसने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मार कर मां की हत्या कर दी। घटना के समय बहन दूसरे कमरे में थी। गोली की आवाज सुनकर वह भागकर पहुंची तो बहन को धमकाने लगा। इतना ही नहीं तीन दिन तक उसने बहन को घर में धमका कर रखा। मंगलवार को जब शव की दुर्गंध ज्यादा तेज हो गई। किशोर से बर्दाश्त नहीं हुआ तो उसने अपने पिता को फोन कर सूचना दी। उसने कहा कि पापा, एक युवक घर में आता था। वह तीन दिन पहले रात में आया था। उसने मुझे और बहन को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद मां की गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद वह रात भर रुका। दूसरे दिन भी रुका और उसने शोर मचाने पर हम सबकी हत्या की धमकी दी थी। मंगलवार को जब वह चला गया तो हम सबने सूचना दी। यह सुनते ही नवीन के होश उड़ गए।

यूपी में घरेलू कोयला कटौती के चलते अगस्त में बिजली संकट गहराने की आशंका, उपभोक्ता परिषद ने खटखटाया नियामक आयोग का दरवाजा

लखनऊ। विदेशी कोयला न लेने पर केंद्र सरकार के घरेलू कोयले के आवंटन में 30 प्रतिशत कटौती करने संबंधी निर्णय के खिलाफ विद्युत नियामक आयोग का दरवाजा खटखटाया है। आयोग में याचिका दाखिल कर परिषद ने कहा है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जाए। आयोग से राहत न मिलने पर परिषद, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जाने पर विचार कर रहा है। घरेलू कोयले की उपलब्धता में कमी के चलते केंद्र सरकार ने राज्यों से आवश्यकता का 10 प्रतिशत विदेशी कोयला लेने के लिए कहा है। केंद्र ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि सात जून तक विदेशी कोयला लेने पर सहमति न जताने वालों के घरेलू कोयले के आवंटित कोटे में 30 प्रतिशत की कटौती कर दी जाएगी। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने केंद्र के निर्णय के खिलाफ सोमवार को नियामक आयोग में याचिका दाखिल की है। वर्मा का कहना है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना आयोग का संवैधानिक दायित्व है। परिषद अध्यक्ष के मुताबिक केंद्र के निर्णय पर जनहित में अगर रोक न लगाई गई तो उपभोक्ताओं की बिजली महंगी होगी। ऐसे में परिषद हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाने पर भी विचार कर रहा है। विदित हो कि राज्य सरकार, विदेशी कोयला न लेने का पहले ही निर्णय. कर चुकी है। कारण है कि घरेलू से लगभग 10 गुणा ज्यादा महंगा विदेशी कोयला होने से प्रति यूनिट एक रुपये बिजली के महंगी होने का अनुमान लगाया है। विदेशी कोयला खरीदने पर लगभग 11 हजार करोड़ रुपये बिजली कंपनियों को चाहिए होंगे।

कोयले में कटौती पर अगस्त में बिजली संकट की आशंकाः वैसे तो आवंटित कोटे का लगभग 30 प्रतिशत कम ही कोयला राज्य के बिजली उत्पादन गृहों को वर्तमान में मिल रहा है। राज्य को जहां प्रतिदिन 17 रैक कोयला मिलना चाहिए वहीं 12 रैक ही मिल रहा है। ऐसे में भले ही नियमानुसार स्टाक नहीं हो पा रहा है लेकिन बिजली का उत्पादन भी प्रभावित नहीं है। चूंकि केंद्र सरकार ने 15 जून के बाद 40 प्रतिशत की कटौती करने की बात कही है इसलिए जानकारों का कहना है कि अगर केंद्र सरकार ने ऐसा किया तो वर्षा के दौरान कोयले के संकट से बिजली का उत्पादन घट सकता है जिससे बिजली का गंभीर संकट पैदा हो सकता है।

कानपुर हिंसा के चौथे दिन जिलाधिकारी नेहा शर्मा का तबादला, लखनऊ-गोरखपुर समेत नौ डीएम बदले

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने फिरोजाबाद के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार को लखनऊ का जिलाधिकारी तैनात किया है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष कृष्णा करुणेश को गोरखपुर जिले की जिम्मेदारी दी गई है। मंगलवार शाम जारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के 21 अधिकारियों की तबादला सूची में नौ जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं। ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव भवानी सिंह खंगारोत को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम का प्रबंध निदेशक तैनात किया है। विधानसभा चुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से कानपुर जिलाधिकारी विशाख जी. को हटाया गया था। बिना किसी ठोस शिकायत के हटाए गए विशाख जी. को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव नियुक्त किया गया था। सरकार ने उन्हें पुनः कानपुर नगर का जिलाधिकारी नियुक्त किया है। बस्ती की जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल को जिलाधिकारी बलिया, बलिया के जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह को जिलाधिकारी अलीगढ़, जालौन की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को जिलाधिकारी बस्ती, प्रतीक्षारत चांदनी सिंह को जिलाधिकारी जालौन, झांसी के नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय को जिलाधिकारी इटावा, प्रयागराज के नगर आयुक्त रवि रंजन को जिलाधिकारी फिरोजाबाद नियुक्त किया है।

गोरखपुर के जिलाधिकारी विजय किरन आनंद को एक बार फिर बेसिक शिक्षा विभाग का विशेष सचिव एवं स्कूल शिक्षा महानिदेशक तैनात किया गया है। उनके पास कुंभ मेला अधिकारी प्रयागराज का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। बेसिक शिक्षा विभाग की सचिव अनामकि सिंह को महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग में सचिव नियुक्त किया है। लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश को सचिव पद पर पदोन्नति के बाद अवनस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग का सचिव और इनवेस्ट यूपी का सीईओ तैनात किया है। इटावा की जिलाधिकारी श्रुति सिंह को पदोन्नति के बाद महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं सचिव चिकित्सा शिक्षा के पद पर तैनात किया है।

सम्पादकीय

मनमानी पर अंकुश

आखिरकार भाजपा ने विवादित बयान देने पर अपनी एक प्रवक्ता को पार्टी से निलंबित कर संदेश देने का प्रयास किया है कि इस तरह के बेतुके और मनमाने बयान देने वालों के खिलाफ पार्टी सख्त कदम उठाएगी। प्रवक्ता के साथ ही दिल्ली के मीडिया शीर्ष को भी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। पिछले आठ सालों में शायद पहली बार है, जब पार्टी ने अपने किसी नेता के खिलाफ ऐसी कड़ी कार्रवाई की है। दरअसल, जिस प्रवक्ता को निलंबित किया गया है, उन्होंने एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उसे लेकर अल्पसंख्यक समुदाय में स्वाभाविक ही रोष पैदा हुआ और उन्होंने इसका विरोध करने का फैसला किया था। पिछले शुक्रवार को कानपुर में बाजार बंद का आह्वान किया गया था, फिर भी कुछ दुकानें खुली हुई थीं। नमाज के बाद लोग लौटे तो उन्होंने उन दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया और हिंसा भड़क उठी। उस दिन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और मुख्यमंत्री का कानुपर में ही कार्यक्रम था। इसके बावजूद हिंसा भड़की, तो सुरक्षा इंतजामों और खुफिया तंत्र की नाकामियों पर भी सवाल उठने शुरू हो गए। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने उस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी शुरू कर दी। मगर सरकार की किरकिरी तब अधिक हुई जब खाड़ी देशों ने भाजपा प्रवक्ता के बयान को गंभीरता से लेते हुए कड़े बयान दिए और कूटनीतिक कार्रवाइयां शुरू कर दी। इसलिए कुछ लोगों का कहना है कि अगर खाड़ी देशों ने सख्त प्रतिक्रिया न जताई होती, तो शायद सरकार इस मामले को भी कुछ उपद्रवियों के सिर मढ़ कर रफा-दफा करने का प्रयास करती। इस बयान के चलते भारत सरकार और भाजपा की छवि दूसरे देशों में खराब हुई है। पहले ही अमेरिका जैसे कुछ देश भारत में बढ़ते सांप्रदायिक विद्वेष को लेकर तल्ख रिपोर्टें जारी कर चुके हैं, ऐसे में भाजपा प्रवक्ता के बयान ने आग में घी का काम किया। खाड़ी देशों से भारत के पुराने व्यापारिक, वाणिज्यिक और सांस्कृतिक संबंध हैं, उन पर कोई आंच आएगी, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। अच्छी बात है कि भाजपा ने अपने प्रवक्ता के बयान से खुद को अलग करते हुए कहा है कि वह सभी धर्मों का समान आदर करती है, किसी भी धर्म के प्रति उसमें अनादर का भाव नहीं है। इस तरह भारत सरकार बेशक खाड़ी देशों से अपने संबंधों को सुधारने का प्रयास करे, पर इसके जरिए उस पर विपक्ष को भी निशाना साधने का एक मौका और मिल गया है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब किसी नेता ने अल्पसंख्यक समुदाय और उसके धर्म को लेकर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी की है। जगह-जगह धर्मसंसदों में दिए गए बयान हाल की घटनाएं हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग होती रही, अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा, मगर सरकार मौन साधे रही। सरकार में शामिल कई नेता भी ऐसी अशोभन और तल्ख टिप्पणियां दे चुके हैं, जिसके चलते सामाजिक सौहार्द पर आंच आई है। इसलिए कुछ लोगों की अपेक्षा वाजिब है कि जब भाजपा ने अपने बेलगाम नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू की है, तो इसे सीमित नहीं रखना चाहिए। जब तक वह चुनिंदा कार्रवाई करती रहेगी, तब तक पार्टी में अनुशासन नहीं आएगा। भाजपा देश की बड़ी पार्टी है और देश-दुनिया में लोग उसके नेताओं, कार्यकताओं से उदार और आदर्श आचरण की उम्मीद करते हैं। इसके लिए पार्टी को कड़े अनुशसान अपनाने की जरूरत है।

भागवत ने वही कहा जो गांधीजी और अटलजी कहा करते थे

डा0 वेदप्रताप वैदिक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसे सुनकर देश के कांग्रेसी, वामपंथी और मुस्लिम संगठन दांतों तले उंगली दबा लेंगे। ये सभी लोग आरोप लगा रहे थे कि काशी और मथुरा में भी मंदिर और मस्जिद का झंगड़ा संघ के इशारों पर खड़ा किया जा रहा है लेकिन नागपुर के एक संघ-समारोह के समापन भाषण में उन्होंने दो-टूक शब्दों में यह स्पष्ट कर दिया कि मस्जिदों को तोड़कर उनकी जगह मंदिर बनाने के पक्ष में संघ बिल्कुल नहीं है। यह ठीक है कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अपना वर्चस्व जमाने के लिए सैंकड़ों-हजारों मंदिरों को भ्रष्ट किया। उनकी जगह उन्होंने मस्जिदें खड़ी कर दीं।

लेकिन यह इतिहास का विषय हो गया है। उस इतिहास को अब दोहराना क्यों? यदि इतिहास को दोहराएंगे तो रोज एक नया मामला खड़ा हो जाएगा। ज्ञानवापी के मामले में हमारी श्रद्धा परंपरा से चलती आई है। ...वह ठीक है लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? मोहन भागवत के तर्कों को अगर मुहावरों की भाषा में कहना है तो उनका तर्क यह है कि गड़े मुर्दे अब क्यों उखाड़ना? मंदिर हो या मस्जिद, दोनों ही पूजा-स्थलों पर भगवान का नाम लिया जाता है। हिंदू लोग किसी भी पूजा-पद्धति के विरोधी नहीं हैं।

यह ठीक है कि मुसलमानों की पूजा-पद्धति स्वदेशी नहीं है। उनकी पूजा-पद्धति चाहे विदेशी है लेकिन मुसलमान तो स्वदेशी हैं। मोहनजी ने वही बात दोहराई जो अटलजी कहा करते थे। अटलजी का एक प्रसिद्ध बयान था कि मुसलमानों की रगों में वही खून बहता है, जो हिंदुओं की रगों में बह रहा है। मोहन भागवत ने तो यहां तक कह दिया है कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए भी एक ही है। हिंदू धर्म और अन्य पश्चिमी मजहबों में यही फर्क है कि हिंदू जीवन शैली सभी पूजा-पद्धतियों को बर्दाश्त करती है। मध्यकाल से यह वाक्य बहुत प्रचलित था कि अंदर से शाक्त हूं, बाहर शैव हूं और सभा मध्य में वैष्णव हूं। भारतीयों घरों में आपको ऐसे अनगिनत घर मिल जाएंगे, जिनके कुछ सदस्य आर्यसमाजी, कुछ सनातनी, कुछ जैनी, कुछ राधास्वामी, कुछ रामसनेही और कुछ कृष्णभक्त होंगे। वे सब अपने-अपने पंथ को श्रद्धापूर्वक मानते हैं लेकिन उनके बीच कोई झगड़ा नहीं होता। मेरे ऐसे दर्जनों मित्र–परिवार हैं जिनमें पति–पत्नी अलग–अलग मजहबों और धर्मों को मानने वाले हैं। मोहनजी के कहने का सार यही है, जो गांधीजी कहते थे, सर्वधर्म समभाव ही भारत का धर्म है। भारत धर्म है। इसी भारत धर्म को हमारे मुसलमान, ईसाई, यहूदी और बहाई लोग भी तहे-दिल से मानने लगें तो कोई सांप्रदायिक विवाद भारत में कभी हो ही नहीं सकता। यह ठीक है कि कई अभारतीय धर्मों के भारत में फैलने के मुख्य आधार भय, लालच और वासना रहे हैं लेकिन यह भी सत्य है कि इन विदेशी धर्मों ने उनके अपने देशों को कई अंधकूपों से निकालकर प्रकाशमान भी किया है। उनके अपने देशों में उनकी भूमिका काफी क्रांतिकारी रही है। यदि उस क्रांतिकारी भूमिका और भारत की परंपरागत धर्मदृष्टि में उचित समन्वय हो सके तो वह सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म बन सकता है। वही सच्चा भारत धर्म कहलाएगा।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तर्कों को अगर मुहावरों की भाषा में कहना है तो उनका तर्क यह है कि गड़े मुर्दे अब क्यों उखाड़ना? मंदिर हो या मस्जिद, दोनों ही पूजा-स्थलों पर भगवान का नाम लिया जाता है। हिंदू लोग किसी भी पूजा-पद्धति के विरोधी नहीं हैं।

देना ना बयान !

लग गयी है रोक ।
देना ना बयान ।।
इस विषय को छोड़ कर ।
भले बांटो ज्ञान ।।
मयार्दा में रहना ।
है सबको समझाया ।।
गलती हुई जरूर ।
दिन है ऐसा आया ।।
ले रहे संज्ञान ।
है समय का खेल ।।
सुधरे नहीं अब तक ।
रहे इसलिए झेल ।।
डर के कार्रवाई से ।
आएगा बदलाव ?
देखते हैं आगे ।
भरता कितना घाव ।।
–कृष्णोन्द्र राय

रहने दो गांधी जी को ही नोटों में

आर.के. सिन्हा

राजधानी के संसद मार्ग पर बनी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) बिल्डिंग के बाहर लगी यक्ष और यक्षिणी की मूर्तियों के पास खड़े होकर बैंक के कुछ मुलाजिम बात कर रहे हैं कि अगर उनके बैंक ने कुछ करैंसी नोटों पर गांधी जी के जल चित्रों के अलावा किसी अन्य महापुरुष के चित्रों को भी जगह देनी शुरू कर दी तो क्या होगा? दरअसल रिजर्व बैंक के मुंबई, दिल्ली, कानपुर आदि के दफ्तरों में आजकल इस तरह की चचाएं चल रही हैं। इसकी वजह यह है कि रिजर्व बैंक में शीर्ष स्तर पर विचार हो रहा है कि कुछ नोटों पर कुछ अन्य महापुरुषों के जल चित्र भी शामिल कर लिए जाएँ। यानी गांधी जी के साथ कुछ करैंसी नोटो में कुछ अन्य महापुरुषों को भी जगह मिल जाए। अगर यह होता है तो फिर तमाम दूसरी हस्तियों के जल चित्र भी आरबीआई की तरफ से जारी होने वाले नोटों पर शामिल करने की मांग होने लगेगी। यह निश्चित है, इसलिए भारत के करैंसी नोटों पर बापू का ही जल चित्र बनें रहें तो सही होगा। यह बात समझ से परे है कि हमारे नोटों में गांधी जी को अपदस्थ करने की कोशिशें क्यों होने लगी है। इसकी जरूरतही क्या है? क्या इस तरह की किसी ने मांग की है? गांधी जी का वैसे ही अब लगभग पूरे देश में भरपूर अनादर होने लगा है। उनकी मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है। उनके हत्यारे को हीरो मानने वाले भी पैदा हो गए हैं। वे सिर्फ आरबीआई की तरफ से जारी होने वाले नोटों में ही सुरक्षित थे। अब वहां से भी उन्हें बाहर किया जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। हां, रिजर्व बैंक अब तो यह सफाई दे रहा है कि गांधी जी अपनी जगह पर रहेंगे। पर जन्नत की हकीकत कुछ और है।

बेशक देश को उन लोगों के नाम बताये जायें, जो गांधी जी को नोट से भी बाहर करना चाह रहे हैं? यह किसकी शह और पहल पर हो रहा है? खबर है कि आईआईटी, दिल्ली के प्रो.दिलीप टी साहनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक बेहद अहम जिम्मेदारी सौंपी है कि वे यह देख कर बताएं कि भारत के विभिन्न करेंसी नोटों में महात्मा गांधी के साथ-साथ गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर तथा पूर्व राष्ट्रपति तथा मिसाइल मैन एपीजे अब्दुस कलाम के जल चित्रों (वाटर मार्क) का उपयोग करना कैसा रहेगा। बताया जाता है कि आरबीआई ने उन्हें इन दोनों महापुरुषों के जल चिन्हों (वाटर मार्क) के दो-दो सेट भेजे हैं। प्रो. साहनी अब बताएंगे कि करेंसी नोटों में इन दोनों महापुरुषों के जल चिन्ह किस तरह के दिखाई देते हैं। दरअसल यह खबर है कि सरकार विचार कर रही है कि कुछ करेंसी नोटों में टेगौर तथा डॉ. कलाम के जल चित्र भी शामिल कर लिए जाएं। हालांकि, इस बारे में अंतिम निर्णय होना बाकी है, पर सरकार ने अपने कदम बढ़ाने जरूर शुरू तो कर ही दिए हैं। प्रो. साहनी को साल 2022 में शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्य करने के चलते पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वे सरकार को रक्षा क्षेत्र में अनुसंधानों में मदद करते हैं। प्रो. साहनी ने आईआईटी, खड़गपुर से शिक्षा ग्रहण की है। उन्होंने आईआईटी, दिल्ली से पीएचडी की। वे लगातार चार दशकों तक आईआईटी दिल्ली में पढ़ाते रहे। वे अब भी यहां पर विजिटिंग प्रोफेसर हैं। एक बात साफ हो जाये कि इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिये कि गुरुदेव टैगोर और कलाम साहब भी देश के नायक हैं। सारा देश उनका आदर कर ता है। इस बारे में कोई दो राय नहीं है। पर गांधी जी के सामने सब उन्नीस हैं। गांधी तो सदियों में एक बार होते हैं। अगर देश ने अपने करैंसी नोटो में उन्हें जगह दी है तो कोई एहसान नहीं किया। जो भी गांधी जी को नोटों से बाहर करने पर आमादा हैं, वे जान लें कि एक बार नोटों से गांधी जी को हटाया गया तो फिर तमाम महापुरुषों को नोटों में जगह देने की मांग होने लगेगी। उसका कोई अंत ही नहीं होगा। तब हालात हाथ से निकल चुके होंगे। इसलिए नोटों से गांधी जी को बाहर करने से पहले सौ बार सोच लेना चाहिए। देश को कुछ चीजों में बदलाव के बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। क्या राष्ट्र गीत को बदलने या संशोधन करने के प्रस्ताव या मांग को माना जा सकता है? नहीं न? यकीन कीजिए कि हमारे यहां राष्ट्रगान में संशोधन की मांग पहले भी उठ चुकी है। क्या राष्ट्रगान में संशोधन हो सकता है? क्या राष्ट्रगान में अधिनायक की जगहमंगल शब्द होना चाहिए? क्या राष्ट्रगान से सिंध शब्द के स्थान पर कोई और शब्द जोड़ा जाए? पहले भी सिंध शब्द को हटाने की मांग हुई थी, इस आधार पर कि चूंकि सिंध अब भारत का भाग नहीं है, इसलिए इसे राष्ट्र गान से हटाना चाहिए। ऐसी बेहूदगी भरी बातें करने वाले लोग हमारे बीच में कम नहीं हैं। अरबी लोग जब हिंदुस्तान आये तो सिन्धु नदी को पार करके आयेक अरबी में 'स' को 'ह'बोलते हैं इसलिए सिन्ध की जगह हिन्द कहकर उच्चारण करते थे कयानि सिंध के पार 'हिन्द' और वहां के बाशिंदे 'हिन्दू'। साल 2005 में संजीव भटनागर नाम के एक शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिकादायर की थी, जिसमें सिंध भारतीय प्रदेश न होने के आधार पर जन-गण-मन से निकालने की मांग की थी। इस याचिका को 13 मई 2005 को सुप्रीम कोर्ट के तब के मुख्य न्यायाधीश आर.सी. लाखोटी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सिर्फ खारिज ही नहीं किया था, बल्कि संजीव भटनागर की याचिका को छिछली और बचकानी मुकदमेबाजी मानते हुए उन पर दस हजार रुपए का दंड भी लगाया था। तो फिर करैंसी नोटों में गांधी जी के साथ अन्य के जलचित्र क्यों जाए? चिंता इसलिए हो रही है कि बात बहुत आगे जा चुकी है। इससे पहले कि गांधी जी को नोट से बाहर कर दिया जाये, देश सरकार से माँग करे कि ऐसा कभी न किया जाये।

पिछले दिनों से कुछ खबरें आ रही थीं कि रिजर्व बैंक देश के करैंसी नोटो में गांधी जी के साथ कुछ अन्य महापुरुषों को भी जगह देने पर विचार कर रहा है। मतलब उनके जलचित्रों को भी करैंसी नोटों में जगह मिल सकती है। हालांकि आरबीआई की तरफ से अब खंडन भी हो रहा है कि उसने इस तरह की कोई पहल नहीं की है। पर कुछ तो बात है ही। इसी विषय का विभिन्न कोणों से अध्ययन करके लिखा गया यह लेख।

राज्यसभा की बदलती तस्वीर

प्रभु चावला

ब्रिटिश संसद के उच्च सदन में कुलीन लोगों को जगह मिलती है. इसका अनुसरण करते हुए भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा में राजनीतिक कुलीनों का वास होता है. बिना मेहनत के सुस्ती से सत्ता पाना उनका विशेषाधिकार है, क्योंकि जिन्हें जनता नहीं चुनती, वे नेताओं के लिए चयन योग्य हो जाते हैं. राज्यसभा की 57 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही है, जिसमें बुजुर्गों के साथ युवा भी मैदान में हैं. चूंकि 90 फीसदी से ज्यादा राज्यसभा सांसदों को बोलने के लिए शायद ही कुछ मिनट मिलते हैं, तो इनकी मौजूदगी शोर करने और पार्टी के निर्देश के अनुसार मत डालने के लिए होती है, लेकिन उन्हें विभिन्न लाभ मिलते हैं, जिन पर प्रति सदस्य हर माह करदाताओं के 10 लाख रुपये खर्च हो जाते हैं. इन दिनों नये व पुराने चेहरों में से सदस्य चुनने का चलन है. भाजपा ने एक दर्जन मौजूदा सांसदों पर नये लोगों को तरजीह दी है. कांग्रेस का दांव पुराने लोगों पर है, जो अनुभवी हैं. भाजपा का तीन मुस्लिम चेहरों को किनारे करना यह इंगित करता है कि उसे अल्पसंख्यक वोटों की उम्मीद नहीं रही या इसकी उसे परवाह नहीं है. स्पष्ट रूप से भाजपा महिलाओं, आदिवासियों, अति पिछड़े समुदायों आदि को प्रतिनिधित्व देकर व्यापक सोशल इंजीनियरिंग के अभियान पर है और कुछ हद तक राज्य स्तर पर नये नेता भी बना रही है. प्रधानमंत्री मोदी बाहरी लोगों की अपेक्षा स्थानीय नेताओं को प्राथमिकता दे रहे हैं. भाजपा के 16 में से छह उम्मीदवार महिलाएं हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (जो जन्म से तमिल हैं और उनकी शादी आंध्र प्रदेश में हुई है) केवल ऐसी प्रत्याशी हैं, जिन्हें कर्नाटक से तीसरी बार उम्मीदवार बनाया गया है. मुख्तार अब्बास नकवी को तीन बार लगातार सांसद रहने के बाद टिकट नहीं मिला है. पहले चुनाव हारे हुए नेताओं को उच्च सदन का उपहार दिया जाता था. अब भाजपा में 75 साल की आयु सीमा को लचीला किया गया है. राजस्थान के घनश्याम तिवारी 72 साल के हैं और सेवानिवृत्त होते समय 78 साल के हो जायेंगे. भाजपा सूत्रों के अनुसार, उन्हें पार्टी के ब्राह्मण चेहरे के रूप में आगे किया गया है. इतना ही नहीं, वसुंधरा राजे उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं. दूसरे दलों को तोड़ने की रणनीति पर चलते हुए भाजपा ने राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में अतिरिक्त उम्मीदवार भी उतारे हैं, जो गणमान्य हैं और उनके पास संसाधन हैं. बहरहाल, इस चुनाव के बाद राज्यसभा में केसरिया खेमे का स्वरूप बदल जायेगा. सत्ता प्रतिष्ठान की पुनर्संरचना के लक्ष्य को पाने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन पारित करने के लिए मोदी को उच्च सदन में एक सेना की आवश्यकता है. ऐसा लगता है कि कांग्रेस मोदी की इस योजना को भांप गयी है और वह अपने विश्वस्त लोगों को सदन में ला रही है. भले ही उनके समर्थक इसे ठोस रणनीति कहें, पर सोनिया गांधी का लक्ष्य पार्टी के सांगठनिक और विधायी इकाइयों पर पूर्ण नियंत्रण का है. भले ही उसका भौगोलिक आधार सिकुड़ रहा हो, वे सत्ता पक्ष के शोर के बरक्स अपने खेमे में हल्ला करनेवाले लोग जुटाना चाहती हैं. उनके सलाहकार मानते हैं कि सदन के ज्यादातर कांग्रेसी या तो बहुत नरम हैं या सत्ताधारी दल से डरते हैं. और, उनमें से कुछ जुगाडू हैं और सरकार उनका लाभ उठाती है. सोनिया की पसंद से यह भी इंगित होता है कि राहुल के लिए चुनौती बन सकनेवाले वह किसी भी नेता को परे रखना चाहती हैं. राजस्थान में तीन जीतने लायक सीटों के लिए बाहरी लोगों को उम्मीदवार बना कर उन्होंने बड़ा दांव खेला है. पार्टी के लोग अचंभित हैं कि वे यह सब उस राज्य में कर रही हैं, जहां अगले साल चुनाव है. दो साल से गहलोत सरकार पर भाजपा की तलवार लटक रही है. स्थानीय नेताओं को चुनने और पार्टी को एकजुट करने की बजाय गांधी परिवार ने विश्वासपात्र और संसाधन संपन्न लोगों का समर्थन किया है. उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश, जहां पार्टी शून्य हो चुकी है, के कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी को तीसरी सीट दी गयी है. वे दशकों तक पार्टी विधायक दल के नेता रहे हैं और अपनी विधायक सीट कभी नहीं हारे हैं. इनके जैसे नेताओं को उनकी नेटवर्किंग क्षमता और संकट के समय समर्थन के लिए लाया गया है. गांधी परिवार बीते कुछ साल से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और सबसे प्रभावशाली कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा को अनदेखा कर रहा था और रणदीप सूरजेवाला पर भरोसा कर रहा था, पर अब उनकी आंख खुली है और हुड्डा को राज्य में खुली छूट दे दी गयी है. दलित नेता कुमारी शैलजा को पार्टी अध्यक्ष पद और राज्यसभा से हटा कर उनकी जगह विश्वासपात्र अजय माकन को लाया गया है, जो हुड्डा को भी स्वीकार्य हैं.

माकन एक मेहनती कार्यकर्ता हैं. महाराष्ट्र से दलित नेता मुकुल वासनिक गांधी परिवार की तीन पीढ़ियों से जुड़े हैं. नये-पुराने नेताओं में सामंजस्य के लिए पार्टी मुख्यालय में उनकी आवश्यकता है. उत्तर प्रदेश के एक मुस्लिम नेता इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र की अकेली सीट से उम्मीदवार बनाया गया है. तिवारी और प्रतापगढ़ी एक ही जिले से आते हैं.

तिवारी ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो प्रतापगढ़ी पार्टी के सबसे आक्रामक मुस्लिम आवाजों में है और उकसाऊ भाषण देने के विशेषज्ञ हैं. छत्तीसगढ़ में गांधी परिवार ने बिहार के चर्चित नेता पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन को चुना है. कांग्रेस इनके संसाधन और बाहुबल का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में करना चाहती है. पी चिदंबरम, जयराम रमेश, विवेक तन्खा और राजीव शुक्ला का चयन गांधी परिवार की ओर से पार्टी के भीतर और बाहर की रणनीतियां बनाने के इरादे से किया गया है. आम आदमी पार्टी भी संसाधन संपन्न और नये चेहरों पर दांव लगा रही है. इसके आधे सदस्य कारोबार से जुड़े हैं या दूसरे दलों से आये हैं. कुछ क्षेत्रीय पार्टियों ने विश्वासपात्रों को ही चुना है. ओडिशा के नवीन पटनायक और तमिलनाडु के एमके स्टालिन ने बाहरी धनिकों को टिकट देने के दबाव को परे रखा है. पीछे देखें, तो राज्यसभा उनके लिए रही है, जो चुनाव नहीं जीत सकते. डॉ मनमोहन सिंह ऊपरी सदन के जरिये प्रधानमंत्री बने. वंशवाद का भी मौका रहा है. आरएलडी के जयंत चौधरी राज्यसभा पहुंचे हैं. अब यह स्पष्ट है कि इस चुनाव का असर राष्ट्रपति के चुनाव तथा भाजपा एवं उसके मित्रों व शत्रुओं के राजनीतिक भविष्य की रूपरेखा में होगा. साल 2024 के चुनाव का रास्ता भी इससे परिभाषित होगा.

घाम घरी बड़ मिठाथे: घुघरी

घुघरी लाख के, लाखड़ी के, मसूर के, राहेर के या चना के होथे। ओला कोनो बरतन मं पानी डार के डबकाय जाथे। पहिली तो माटी के बरतन उपयोग मं होवय। अधरा मं चुरे घुघरी बड़ अच्छा लागय। एमा आगी ला कम करे या बढ़ाय जइसे कोनो काम नइ रहय। मद्धिम आंच मं डबक जथे, इही बेरा एमा थोकुन नून डार देथें, तब बरतन के बचे पानी ल ढार देथें, तहाने घुघरी तियार। सुवाद बर चटनी अथान खा लेवंय, खाय के मजा आ जाय।

आजकाल घरों घर खाना बनाय बर गैस चूल्हा होगे हे, जेखर घर नइ रिहिसे, सरकार उन्हूं ल चिन्हित कर गैस-चूल्हा दे देहे। जब एखर चलन नइ रिहिसे त सब घर माटी के चूल्हा मं छेना लकड़ी ले खाना बनत रिहिस। तब घर घर गाय बइला होवय। कोनो कोनो घर भइस-भइसा रहय। गोबर खूब होवये ओखर ले छेना कंडा बनाय जाय। बांचय तेला खातू बर घुरुवा मं डार देवंय। गोबर सकेलना, छेना थोपना रोज के काम होवय। अधरा-जादा छेना होवय त ओला अधरा रच के ओमा चांउर दार, साग सब्जी बनाय मं उपयोग करंय। अधरा मं पके चोवा चांउर (भात) स्वादिष्ट, पौष्टिक अउ पाचुक होथे। दार घलो बढ़िया गल जथे। साग भाजी घलो बन जथे, जउन दिन साग नइ रांधय, घुघरी उसन लेवंय। ओखरे संग भर पेट भात खा लेंवय। ओमा न तले के न मिर्चा मसाला डारे के जरूरत हे,सुवाद बर नून मिर्चा भले डार ले, छेना के अधरा मं घुघरी चुर जाय। ओखर पौष्टिकता नाश नइ होवय, बने चाव ले खावंय अउ तन्दरुष्ट राहंय।

रांधे के विधि

घुघरी लाख के, लाखड़ी के, मसूर के, राहेर के या चना के होथे। ओला कोनो बरतन मं पानी डार के डबकाय जाथे। पहिली तो माटी के बरतन उपयोग मं होवय। अधरा मं चुरे घुघरी बड़ अच्छा लागय। एमा आगी ला कम करे या बढ़ाय जइसे कोनो काम नइ रहय। मद्धिम आंच मं डबक जथे, इही बेरा एमा थोकुन नून डार देथें, तब बरतन के बचे पानी ल ढार देथें, तहाने घुघरी तियार। पानी ढारे के बाद जउन बचिस, उही ह घुघरी आय। ओखरे संग भात, रोटी खा लेवंय। सुवाद बर चटनी अथान खा लेवंय, खाय के मजा आ जाय। कोनो ला तले भुने खाना पसंद हे त ओखर बर फोरन डार के तेल मं तल देथें। मिर्चा, मसाला, नून डार देथें। ओहा मसाला दार चुरपुरा घुघरी बन जथे। येहु हा चना के उबले घुघरी तो आय। ओला तल के, मिर्चा मसाला डार के चुरपुरा बना देथें। ओखर ऊपर हरियर पत्ती धनिया डार देथें। घर मं घलो लाख, मसूर, चना, राहेर के घुघरी सुवाद वाला बना के खावंय। घुघरी ल मद्धिम आंच मं पकाय जाथे। ओखर पौष्टिक गुन अउ जीवन सत्व बने रथे। अब तो येहा गुजरे जमाना के चीज हो गेहे। पहिली पूरा परिवार येला खात रिहिन हे। अधरा मं घुघरी रख के काम बुता मं लग जांय।

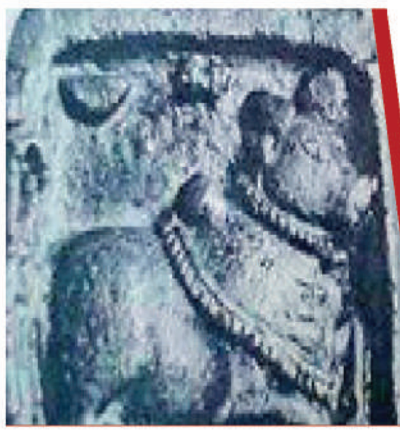

कलचुरी शासन काल में जिले को विषय कहा जाता था, जिसके अंतर्गत अनेक ग्राम आते थे। इन ग्रामों में प्रमुख ग्रामों को ज्येष्ठिका ग्राम कहा जाता था। राजा को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त होते थे जिन्हें दिव्य वृष्टि, प्राति भेदिका कहा जाता था। दिव्य अर्थात उपहार प्राप्त करना, विष्टी अर्थात समय समय पर उपहार देने वालों की सेवाएं प्रदान करना, इसे बेजाग भी कहा जाता था। राज्य अधिकारियों के गांवों में आने पर उनकी आवास, खानपान की व्यवस्था के साथ यदाकदा उपकर भी देना होता था।

कलचुरी काल में ग्राम व्यवस्था

हर काल में ग्राम व्यवस्था की अपनी एक अलग परंपरा रही है। चाहे वह राजाओं का काल हो, या मुगलकाल या फिर अंग्रेजों की शासन व्यवस्था। सभी ने अपने-अपने तरीके से ग्रामों के विकास के लिए अपनी एक व्यवस्था बनाई थी। इसी तरह ग्रामों के विकास के लिए कलचुरियों नें भी उचित शासन के लिए ग्राम व्यवस्था बनाई थी, जो इस प्रकार हैं-

ग्राम व्यवस्था की विशेषता

कलचुरी शासन काल में अनेक ग्रामों एवं नगरों का निर्माण कर उन्हें विकसित करने के उल्लेख मिलते हैं। नगर चूंकि सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त होते थे, फिर भी अधिकांश जनसंख्या गांवों में ही निवास करती थीं। जिले को विषय कहा जाता था, जिसके अंतर्गत अनेक ग्राम आते थे। इन ग्रामों में प्रमुख ग्रामों को ज्येष्ठिका ग्राम कहा जाता था। प्रत्येक ग्राम की सीमा निश्चित होती थी, ताकि शासन व्यवस्था, न्याय व्यवस्था, राजस्व व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। गांव की सीमा पर स्तंभ गाड़े जाते थे, उस पर दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती थी। इसे गांव की सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक माना जाता था। गांवों में तालाबों का निर्माण किया जाता था। यहां गांव की ही संपत्ति होती थी, जिसके द्वारा पूरे गांव के खेतों की सिंचाई की जाती थी। आसपास का जंगल भी गांव ही माना जाता था, तथा यहीं से ग्रामीणों को विस्तार के लिए इमारती लकड़ी का ईंधन अथवा वनोपज मिलती थी। प्रत्येक गांव में गायों के चरने के लिए गोचर या गोपचार हुआ करते थे। राजा को गांव की जमीन पर सर्वाधिकार प्राप्त थे। ग्राम, सरोवर, वन-संपदा, खनिज आदि सभी

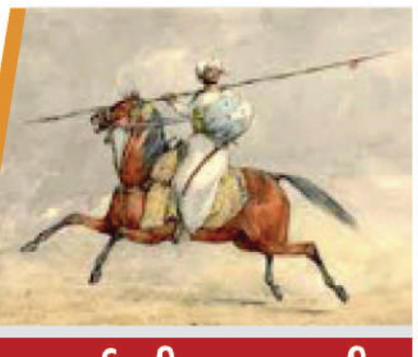

राज्य की संपत्ति मानी जाती थी। राजा को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त होते थे जिन्हें दिव्य वृष्टि, प्राति भेदिका कहा जाता था। दिव्य अर्थात उपहार प्राप्त करना, विष्टी अर्थात समय समय पर उपहार देने वालों की सेवाएं प्रदान करना, इसे बेजाग भी कहा जाता था। राज्य अधिकारियों के गांवों में आने पर उनकी आवास, खानपान की व्यवस्था की जिम्मेदारी ग्रामवासियों पर होती थी। इसके लिए ग्रामवासियों को यदाकदा उपकर भी देना होता था। इस कला में अनेक सुंदर एवं समद्ध नगर अस्तित्व में थे।

स्वर्ग की अल्कापुरी

कवि राजेश्वर ने कलचुरियों की राजधानी त्रिपुरी की उत्पत्ति के संबंध में बताया कि जब त्रिपुरा सुर को शिव ने अपनी क्रोधाग्निी से भस्म कर दिया, तब तीन पुर आकाश से अवतरित हुए। त्रिपुरी की शोभा विलक्षण बताई गई है। असंख्य सुंदर मूर्तियां दूर दूर तक भवनों के अवशेष नयनाभिराम थे। कलचुरियों की प्रथम राजधानी तुम्माण को रतनदेव ने अनेक देवालयों, विशाल प्रासादों, सुंदर आम्रवृक्षों के उपवनों एवं फल-फूलों के बगीचों का निर्माण करवा कर इतना सुसज्जित एवं अप्रतिम सुंदर बनाया कि इसे स्वर्ग की अल्कापुरी की उपमा दी गई। यहां विद्यमान खंडहर आज भी इनकी बानगी प्रस्तुत करते हैं। इसके अलावा मल्हार जाजल्ल नगर विकर्णपुर आदि ऐसे अनेक नगर थे जो समस्त छत्तीसगढ़ में अपनी भव्यता और समृद्धि के लिए प्रसिद्ध थे। मल्हार के शिलालेख से विदित होता है कि इन स्थानों पर सदैव खुशहाली छाई रहती थी, तथा दूर दूर तक संकट का नामों निशान न था। कलचुरियों का शासन न्यायपूर्वक चला करता था, तथा वहां की प्रजा सामान्यतः दैवीय और मानवीय आपत्तियों से मुक्त होकर राज्य में सुख शांति से निवास करती थी जिसका ही परिणाम था, कि इस काल में कला के प्रत्येक आयाम का सर्वांगीण विकास हुआ।

नागवंशी जनजाति के लोग छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले के जशपुर नगर धर्मजयगढ़ नगर, घरघोड़ा तहसीलों और सरगुजा जिले के सीतापुर तहसील में निवास करते हैं। नागवंशी जनजाति अपने को शेषनाग का वंशज मानती हैं। नागपुरी को नागवंशियों का संरक्षण प्राप्त हुआ, अतः यह नगपुरिया कहलाई। अंत में अंचल में सरगुजा अंचल के लोग इसे सरगुजिया बोली के रूप में उपयोग में लाते हैं जो उस क्षेत्र में संपर्क भाषा का कार्य करती है।

रायगढ़ और सरगुजा अंचल की बोली होती है नागवंशी

सरगुजा अंचल और कवर्धा अंचल में बोली भाखा में काफी अंतर देखा जाता है, इसी तरह बस्तर अंचल में गोंडी और हल्बी बोली का प्रभाव देखा जाता है। इस तरह देखा जाए तो अंचल विशेष में अपनी बोली और भाखा का अपना अलग महत्व होता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के लोग विशेषकर पहाड़ियों और जंगलों से घिरे हुए स्थानों पर जहां नदी-नाला उपलब्ध हो, वहां निवास करती है। इनकी बोलियां मैदानी इलाकों से काफी भिन्न होती हैं।

छत्तीसगढ़ अंचल में बोली और भाखा का अलग-अलग प्रभाव देखा जाता है। इसी कारण कहा जाता है-

चार कोस में बदले पानी,
अउ आठ कोस में बानी।

छोटा नागपुर क्षेत्र में नागवंशी राजा-महाराजाओं का शासन प्राचीन काल से रहा है। आज भी भूतपूर्व नागवंशी राजाओं और जमीदारों के यहां नागपुरी का प्रयोग धड़ल्ले के किया जाता है। पहले इन लोगों के यहां नागपुरी राजभाषा के रूप में प्रयुक्त होती थी। आज भी अधिकांश नागवंशी जमींदार आपसी पत्र-व्यवहार नगपुरिया के माध्यम से ही करते हैं। नागपुरी को नागवंशियों का संरक्षण प्राप्त हुआ, अतः यह नगपुरिया कहलाई। अंत में अंचल में सरगुजा अंचल के लोग इसे सरगुजिया बोली के रूप में उपयोग में लाते हैं, जो उस क्षेत्र में संपर्क भाषा का कार्य करती है।

शेषनाग का वंशज

नागवंशी जनजाति के लोग छोटा नागपुर स्थित रांची जिले के गुमला तहसील में तथा छत्तीसगढ़ स्थित रायगढ़ जिले के जशपुर नगर धर्मजयगढ़ नगर, घरघोड़ा तहसीलों और सरगुजा जिले के सीतापुर तहसील में निवास करते हैं। नागवंशी जनजाति अपने को शेषनाग का वंशज मानती हैं। यह हिन्दू धर्म के कट्टर अनुयायी हैं इन्हीं कारणों से यह इसाई मिशनरियों के प्रभाव से अभी तक अछूते हैं। सन 1971 के जनगणना प्रतिवेदन के अनुसार नागवंशी भाषी रायगढ़ वक्ताओं की संख्या पांच हैं जिनमें से चार नागवंशी भाषी सरगुजा जिले में और एक नागवंशी भाषी रायगढ़ जिले में मिले थे। शायद इन पांच नागवंशी भाषियों ने अपनी जाति के अनुरूप जनगणना के समय अपनी मातृभाषा नागवंशी बताया होगा। वर्तमान में सरगुजा जिला स्थित नागवंशी जाति के लोग सरगुजिया बोली का व्यवहार करते हैं, जो छत्तीसगढ़ी जनभाषा की एक क्षेत्रीय बोली रूप है।

सुरता
गोविंद साव

कला अउ साहित्य बर समर्पित रिहिन रवि रंगारी

कलाकार मन ल ज्यादातर संगीत खातिर माहौल घर-परिवार ले ही मिलथे। ऐकरे सेती संगीत के घराना घलो चलत रहिथे। अइसने ढंग के ऐ मेर रवि रंगारी जी के जीवन म घलो घटिस। कला, साहित्य अउ संगीत ले रचे-बसे परिवार में जनम धरिन रवि रंगारी। आपके ममा, कका, अउ बुआ सबे कला के क्षेत्र म अपन योगदान देवत हवें। इंकर पूरा असर रवि रंगारी आप म देखे ल मिलिस। येकरे सेती आपो मन कला के क्षेत्र म ही पूरा जीवन समर्पित भाव ले काम करत रहेव। आप के जनम भरकापारा राजनांदगांव म होइस। आप बचपन ले ही कला के क्षेत्र म काम करे के सुरू कर दे रेहेव। तबला, ढोलक, पैड जइसे वाद्य यंत्र ल आप बजावत रहेव। छत्तीसगढ़ के नामी लोकमंच के माध्यम ले आपके प्रस्तुति होवत रिहिस। आप राजभारती अउ मेलाडी आर्केष्ट्रा म घलो ढोलक वादन के रूप म अपन सेवा देवत रहेव। देश के कोना-कोना में नामी छत्तीसगढ़ी लोक मंच के माध्यम ले अपन प्रस्तुति देवत रहेव। आकाशवाणी अउ दूरदर्शन के माध्यम ले घलो आपके प्रस्तुति होवत रिहिस हे। अतका ही नहीं पाछु दस बछर ले संगीत कक्षा के माध्यम ले संगीत के शिक्षा घलो देवत रहेव। आप लोक मंच कार्यक्रम के जाने माने उदघोषक घलो रेहेव। वादन के संग एकांकी अउ नाटक म घलो भाग लेवत रहेव। सामाजिक बूता करे म घलो पाछू नी हटत रहेव। साहित्य अउ पत्रकारिता क्षेत्र म घलो आप ल काम करे के अवसर मिलिस। कतको अखबार म आप मन जुड़के साहित्य सेवा करेव। पाछू बीस बछर ले लोक गायिका कविता वासनिक के लोक कला मंच अनुराग धारा में ढोलक अउ तबला वादन करत रहेव। अचानक तबियत बिगड़े ले पाछु कुछ दिन पहिली आप ऐ दुनिया ले बिदा ले लेव। आपके संगीत साधना ह कलाकार मन ल हमेशा प्रेरणा देवत रही।

छत्तीसगढ़ी बाल साहित्य

कृति-छत्तीसगढ़ी बाल साहित्य
कृतिकार-प्रो (डा.) अनसूया अग्रवाल
प्रकाशक-वैभव प्रकाशन रायपुर
समीक्षक-डा. राघवेन्द्र राज
मूल्य-दो सौ रूपए

छत्तीसगढ़ी बाल साहित्य का अंचल में समृदध इतिहास है, जिसमें कई दशकों पूर्व से बाल कविताएं, नाटक / एकांकी में लेखन हो रहा है। बाल साहित्य वास्तव में बच्चों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बने हैं। इसी तरह लेखिका ने यहां बाल साहित्य के विभिन्न पहलुओं को चित्रित करने के लिए संपूर्ण विषय वस्तु को दस खंडों में विभाजित किया है, जिसमें बाल साहित्य की दशा और संभावनाएं, कविताएं और कवि, विविध रूप व इतिहास को शामिल किया है। एक कविता में देशभक्ति का चित्रण देखें-

कलकत्ता जावं न रांची
न मथुरा जावं न कांसी
उंहे के खाहूं बासी ओ
अउ बने सुन ले दाई
जिहां रहिस लक्ष्मी बाई
सुराज बर जोन हर लड़िस
खुदे अपन इतिहास गढ़िस

वर्तमान समय में बाल साहित्य लेखन का अच्छा प्रभाव देखा जा रहा है। लेखिका ने अपनी इस कृति में कई अनछुए पहलुओं को यहां चित्रित करने का प्रयास किया है। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि निश्चित रूप से बाल साहित्य का भविष्य उज्जवल है।

गांव के किस्सा

छत्तीसगढ़ अंचल का एक गांव सारंगढ़ (वर्तमान में शहर का स्वरूप) जहां प्राचीन समय में काफी जंगल हुआ करता था। यहां कटंग बांस की एक प्रजाति घनघोर जंगल में इतने लंबे थे कि लंबाई आकाश को छूते प्रतीत हो रहे थे। सारंग का अर्थ 'बांस' और 'गढ़' का अर्थ किला होता है, इसी कारण इस स्थल का नाम सारंगढ़ पड़ा। दीवान प्रताप सिंह साराडीह से अपनी राजधानी छोड़कर 'सारंगढ़' किला में अपनी राजधानी स्थापित किया।

बांस यानि सारंग की अधिकता के कारण नाम हुआ सारंगढ़

छत्तीसगढ़ में यदि गांव या शहर के नामकरण के इतिहास पर नजर डालते हैं तो काफी रोचक कहानियां हमें सुनने को मिलती हैं। यह अनेक ऐतिहासिक तथ्यों को भी अपने में समेटे होते हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ अंचल का एक गांव है-सारंगढ़। बताया जाता है कि प्राचीन समय में काफी जंगल हुआ करता था, और इन्हीं जंगलों के माध्यम से ही अपनी जरूरत की वस्तुएं लोग पूरी कर लेते थे। इसी तरह दीवान प्रताप सिंह साराडीह से अपनी राजधानी छोड़कर सारंगढ़ में बनाया। यहां कटंग बांस की एक प्रजाति घनघोर जंगल में इतने लंबे थे कि लंबाई आकाश को छूते प्रतीत हो रहे थे। यहीं पर उनका किला घिरा हुआ था। यहां गांव के घरों में अधिकतर बांस का ही उपयोग किया जाता था, क्योंकि यहां बांस के पौधे की अधिकता होती थी। इस किला में बांस से बनी पाटी और कटंग बांस का म्यार लगा हुआ था। बांस की ही छप्पर और मिट्टी का दीवाल बना हुआ था। सारंग का अर्थ 'बांस' और 'गढ़' का अर्थ किला होता है। इस प्रकार से 'सारंगढ़' किला बना तथा अपनी राजधानी स्थापित

किया। दीवान प्रताप सिंह के बाद 22 पीढ़ी और हुए, लेकिन यहां पर कोई विशेष घटना नहीं घटी। राजवंश के 48वां पीढ़ी के दीवान उजियार सिंह थे। इस समय ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हुई कि रतनपुर के राजाओं की शक्ति कमजोर पड़ गई। उस समय रतनपुर राजा मोहदेव को पराजित कर सारंगढ़, सिहोरा, रायगढ़, चंद्रपुर और शक्ति राज्य को संबलपुर में मिला लिया। सारंगढ़, संबलपुर अठ्ठारहगढ़ जीत कर अपने अधीन कर लिया और मालगुजारी 1150 रूपया कौड़ी जो रतनपुर को देते थे, वे अब से संबलपुर को देने लगे-

गिरी बिलास पैलेस सारंगढ़

सारगंढ़ राज्य का इतिहास

यहां घोघरा नाला काफी चर्चित रहा। घोघरा नाला के किनारे कटंगा बांस का घनघोर जंगल था। यहां आदमी तो दूर पक्षी भी उसे पार नहीं कर सकते थे। कहा जाता है कि जो यहां जाता था, वह वापस नहीं आता था।

जो गढ़ बतावै
सो मारे जावै
घोघरा के नीर तीर कटंग बांस छाऔ है
देखो घोघरा के वह आओ है

कटंग बांस के अधिकता के कारण ही मगरमच्छ भी यहां सुरक्षित रहते थे। इस तरह देखा जाय तो सारंगढ़ नाम के पीछे की कहानी बहुत रोचक और लंबी है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ प्राकृतिक जीवन हम किस तरह जीएं, इसके लिए भी आगाह करती है।

डंडा गीत में टेही मारना

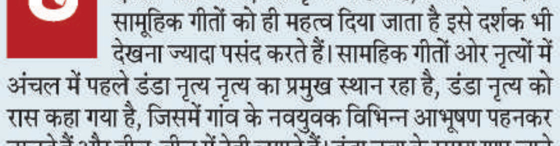

छत्तीसगढ़ में नृत्य और गीत की प्राचीन परंपरा रही है। कभी एकल गीत और एकल नृत्य भी होते हैं, लेकिन ज्यादातर सामूहिक गीतों को ही महत्व दिया जाता है इसे दर्शक भी देखना ज्यादा पसंद करते हैं। सामहिक गीतों ओर नृत्यों में अंचल में पहले डंडा नृत्य नृत्य का प्रमुख स्थान रहा है, डंडा नृत्य को रास कहा गया है, जिसमें गांव के नवयुवक विभिन्न आभूषण पहनकर नाचते हैं और बीच-बीच में टेही लगाते हैं। डंडा नृत्य के समय गाए जाने वाले गीतों में महाभारत, रामायण आदि धार्मिक प्रसंगों को ज्यादा महत्व देते हैं। सीता हरण प्रसंग का एक गीत प्रस्तुत है-

विप्र रूप तुम धरे निशाचर, भिक्छा मगन चले आए हो लाल,
भिक्छा ल धर के निकले जानकी, रथ पर लेगे बिठाय हो लाल,
रथ पर बइठे माता जानकी, सरन्-सरन् गोहराय हो लाल,
कोनेन होइहै मोर राम के पियारा, रथ राथो बिलमाय हो लाल।
ओतका ल सुने मोर पंछी जटाई, आधा सरग म मंडराय हो लाल,
काकर हावो तुन थीया पतोइया, काकर तुम भौजाई हो लाल।

छत्तीसगढ़ के डंडा नृत्य की तुलना गुजरात के गरबा नृत्य से की जा सकती है। डंडा गीत छत्तीसगढ़ के युवकों द्वारा वृत्त में नाचने एवं बासंती उन्माद को उद्दीपत करने वाला ऐसा गीत है, जिसमें जीवन दर्शन और आध्यात्मिक का गहरा रंग है। गायक वृंद वृत्त में परिक्रमा करते हुए गाते हैं नाचते हैं और छोटी छोटी डंडियां टकराकर ताल देते हैं। मांदर की थाप, घुंघरू की गति, यति तथा डंडियों की टक्कर तीनों की तालमेल से समा बंध जाता है। बीच बीच में कोई गायक अपने स्वर में चीख कर ऊं... ई... हुंकारता है जिसे छत्तीसगढ़ी में टेही मारना कहते हैं। यह गीत आखेट युग के पौरूष को व्यक्त करता है। लेकिन वर्तमान समय में डंडा नृत्य का गायन लगभग विलुप्त होने के कगार पर है।

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

संबंधों में बढ़ती हिंसा

एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। फिर पति के घरवालों को फोन करके हत्या के बारे में बताया। कहा कि लाश रखी है, ले जाओ। एक लड़के ने नाबालिग लड़की के शादी से इनकार पर इतने चाकू मारे कि लड़की ने वहीं दम तोड़ दिया। एक आदमी अपनी पत्नी का सिर काटकर थाने पहुंचा। बेटे ने जायदाद के झगड़े में माता-पिता दोनों को जला दिया। दूसरे बेटे ने पत्नी के घर से नाराज होकर चले जाने पर बूढ़ी मां को डंडे से इतना पीटा कि वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। कारण बताया कि मां से पत्नी की नहीं बनती है और वह नाराज होकर अपने घर चली गई है। कहती है कि मां के साथ नहीं रहना चाहती। मां जब तक घर में रहेगी, वापस नहीं लौटेगी। इसलिए मां को ही रास्ते से हटाने के लिए तैयार हो गया। एक मां ने अपनी तीन बेटियों को फांसी लगा दी, फिर खुद भी झूल गई। एक ससुर ने अपनी बहू को मार डाला। उसे लगता था कि उस पर प्रेतों का साया है।

ये पिछले कुछ दिनों की ही खबरें हैं। जिन संबंधों को अपना कहा जाता है जैसे कि मां, बेटा, पति, पत्नी, मां बेटी, सास, ससुर वे ही हिंसा में इतने लिप्त हैं। अकसर तो हम सोचते हैं कि घरवालों के साथ सुरक्षित रहते हैं। घर हमें तमाम मुश्किलों और आपदाओं से

बचाता है। मगर अब देखने में ऐसा क्यों आ रहा है कि घर के लोगों के साथ घर वाले ही हिंसात्मक व्यवहार कर रहे हैं। मामूली बातों पर एक-दूसरे की जान ले रहे हैं। अभी नहीं, तो कभी नहीं का विचार बढ़ चला है। हाथ के हाथ ही मामले को निपटाना है। इसके लिए चाहे जान लेनी पड़े या जान चली जाए। जीवन में धैर्य की भी कुछ महिमा है, इस बात का न तो किसी को खयाल है और न ही कोई बताता है कि पल-पल का गुस्सा ठीक नहीं। जिस वक्त गुस्सा आ रहा हो, अगर उस वक्त चुप रहा जाए, बहस में न उलझा जाए, तो बहुत से अपराध होने से बच जाएं। कहा ही जाता है कि क्रोध बुद्धि का शत्रु है। ऊपर लिखी गई घटनाएं, इस बात को साबित भी कर रही हैं।

इसके अलावा, अभी जिस बात पर बहुत गुस्सा आ रहा है, बहुत बुरा लग रहा है, यदि थोड़ी देर बाद सोचें, तो वह बात उतनी बड़ी नहीं लगती। यदि बात बड़ी ही नहीं, तो किस बात का लड़ाई-झगड़ा। जान लेने-देने की बात तो फिर बहुत दूर की बात हुई। मगर अफसोस है कि इन दिनों न केवल युवा बल्कि बूढ़े, उम्रदराज भी हत्या, मार-पीट जैसे हिंसक मामलों में शामिल हो रहे हैं। एक समय में कहा जाता था कि अपराध करने वाला, अपने किए पर बहुत पछताता है। मगर इन दिनों तो आप अपराधियों के बयान सुनें तो आश्चर्य होता है, वे कहते हैं कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं। एक बार दोबारा मौका मिले, तो वे फिर से ऐसा ही करेंगे। यही नहीं, कई बार जब वे जेल से जमानत पर छूटकर बाहर आते हैं, रिहा किए जाते हैं, तो दो उंगलियां उठाकर विक्ट्री का निशान बनाते हैं। कई बार बाहर आने पर जल्दी ही फिर से उसी तरह के अपराध को अंजाम देते हैं, जिसके कारण पकड़े गए थे। परिवारों के भीतर इस तरह की होने वाली हिंसा, इस बात को बता रही है कि हम किस तरह के संकट से घिरे हैं, गुजर रहे है। इनका हल क्या होगा, कैसे होगा, यह सोचने की बात है। ■

आईना कब तक पोंछेगे हम

खरी खरी

■ मनीषा

हैदराबाद में पार्टी से लौट नाबालिक लड़की का कार में बलात्कार की खबरें पूरे हफ्ते छाई रहीं। ये रसूखदार लड़के हैं। जिनका पॉलिटिकल कनेक्शन बताया जा रहा है। जुबली हिल्स की इस घटना वाले हफ्ते में तीन बलात्कार लगातार हुए। अपने यहां हर रोज 88, 90 रेप के होते हैं। लेकिन इन पर जिस गंभीरता से बात होनी चाहिए, वह कतई नहीं होती। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट में मानता है हर साल देश में 32, 35, 34 हजार बलात्कार होते हैं। सिर्फ कानून बना देने से किसी तरह के अपराध नहीं रुकते। यह हकीकत है। इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। समाज बहुत तेजी से बदल रहा है। युवाओं के रहन-सहन, सोच और बर्ताव में यह बदलाव साफ नजर आता है। पीड़िता अपने दोस्तों के साथ पार्टी से लौट रहे थे। वास्तविकता यह है कि आजकल जो पैसे वालों की पार्टियां होती हैं, उनमें तरह-तरह के नशे इस्तेमाल होते हैं। रेव पार्टी को लेकर शोर-शराबा तो बहुत होता है। मगर ये बहुत पॉपुलर हैं। इनको रोका नहीं जा सकता। नशे की तरह-तरह की चीजें युवाओं में बेहद पॉपुलर हैं। वे पहले शौकिया जिनका इस्तेमाल करते हैं, बाद में उन्हीं के लती हो जाते हैं। धीरे-धीरे वे नशों की गिरफ्त से से निकल नहीं पाते। यही बात सेक्सुअल रिश्तों को लेकर भी है। किशोरों में दैहिक संबधों को लेकर बढ़ता आकर्षण प्राकृतिक है। जिसे जबरन रोका नहीं जा सकता।

पोर्न देखने वालों की सारी दुनिया में संख्या बढ़ती जा रही है। अपने देश में पोर्न देखने वाले सालों साल गूगल सर्च में नंबर वन आते रहते हैं। जाहिर है, लगातार पोर्न क्लिप्स देखने वालों की जेहनी हालत हाथ से निकल जाती है। उनमें अपनी फैंटेसी को हकीकत में कर गुजरने की जुगुप्सा भी काफी हद तक बैठ जाती है। लाइव सेक्स देखने का चस्का तेजी से लगता है। ये लोग आभासी सेक्स के लिए मोटी रकम भी चुकाते हैं। ऐसे तमाम लोगों के दिमाग में किस वक्त जुनून जाग जाए, कहा नहीं जा सकता। यूं भी औरतों के प्रति अपने समाज में नजरिया अभी बदला नहीं है। बहुत छोटी संख्या उन लोगों की है, जो स्त्री को बराबरी का दर्जा देने में सक्षम हैं। जिनकी नजर में स्त्री देह सिर्फ इस्तेमाल की वस्तु नहीं रही। नेटफ्लिक्स पर कोरियन सीरीज है, जुविनाइल जस्टिस। जिसमें बच्चों/किशोरे के अपराध में संलिप्त होने के कारणों पर बेहद बारीकी से दर्शाया गया है। बेहद गंभीर सामाजिक, पारिवारिक व बालमन की सरसरी बात है इसमें। दिक्कत है, अपने यहां हैदराबाद का मसला उछला। कोर्ट-कचहरी होगी। मीडिया रसूखदार बाप को जी भर-भर कोसेगा। परंतु इसकी जड़ों पर जाने की कोई कोशिश नहीं होगी। घटनाओं के बुनियादी घटाटोप पर कोई विस्तार से बात नहीं करेगा। रिसर्च नहीं होंगे। कारणों पर छानबीन नहीं होगी। आरोप सिद्ध हुआ, दोषियों को सजा भी सुना दी गई फिर भी घटनाएं इसी गति से दर्ज की जाती रहेंगी।

हम जानते हैं, जितनी घटनाएं कागजों व न्यायालय तक पहुंचती हैं, उससे कहीं ज्यादा तो दब दी जाती हैं। इज्जत के दिखावटी चोले को ओढ़े रखने वाले पीड़ितों को मानसिक रूप से आघात पहुंचाते हैं। उन पर दबाव डाला जाता है, मुंह बन्द रखने का। बलात्कार की घटनाओं को तभी सुर्खियां मिलती हैं, जब वह सामान्य से ऊपर हो। यौन आक्रमण सामान्य/असामान्य नहीं होते। लगातार बढ़ने वाले रेप समाज के लिए खतरे की घंटी हैं। हकीकत है कि अति समृद्ध व खुले समाजों में भी रेप हो रहे हैं। लेकिन वहां सहमति से सेक्स करने वालों की संख्या भी बहुत है। सेक्स को लेकर टैबूज नहीं हैं। कोई भी समाज दकियानूसी सोच के साथ विकसित नहीं हो सकता। यह बात सभी लिंगों पर बराबर लागू होती है। दो ऐसी घटनाओं को मैंने समझा। ज्यादा पुरानी बात नहीं है, किशोरी की मौत बहुमंजिला इमारत से गिरने पर हुई थी। खबरों में इस बात पर जोर था कि लड़की नशे में थी और पूरी तरह नंगी भी थी। दो-तीन दिन खबरें आने के बाद मामला रफा-दफा हो गया। भीतरी सूत्रों ने बताया, वह फ्लैट कुछ छात्रों ने किराए पर लिया था। अकसर वीकएंड पार्टियां होती थीं। जिनमें लड़के-लड़कियां दोनों शामिल होते थे। सारी-सारी रात हो-हल्ला होता था। जैसा अमूमन छात्र करते हैं। सब नशे करते थे। मृतका नशे में थी। वह बाहर की तरफ भागी। पीछे लड़का था। दोनों में कहा-सुनी हुई। खींचतान हुई। वे सेक्स कर रहे थे। कर चुके थे या लड़की उस वक्त सेक्स के लिए राजी नहीं थी। वह जान कर कूदी, धमकी दे रही थी या झगड़े में कूद गयी। यह खुला नहीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृतका के परिवार ने पांव पीछे खींच लिये। क्योंकि सोसाइटी के रिकार्ड, सीसीटीवी, दोस्तों के बयान, ग्रुप चैट हर जगह साफ था, सब सहमति से हो रहा था। अगर यह दुर्घटना भी थी, तो भी बेटी वालों का नुकसान हुआ। वे अपनी बच्ची से हाथ धो बैठे। अन्य चर्चित मामले में छात्र बड़े मॉल के पीछे कार के भीतर

सच्चाई को झुठलाने और बातें बनाने या मुकरने का नहीं। ब्रेन वॉश की बजाए हकीकत को समझने और दूरंदेशी से काम लेने का वक्त है। हमें अपनी बच्चियों को बचाना भी है और लड़कों को उनकी सीमाएं भी बताना है। कानूनी सख्तियां ठीक हैं पर सेल्फ कंट्रोल और अनुशासन भी किरची-किरची नहीं होना चाहिए। एक-दो, चार-छह बलात्कारियों को फांसी देकर इस संक्रमण को नहीं रोक सकते हैं हम।

सेक्स कर रहे थे। करीब से निकलते छिछोरों ने उन्हें शीशे से देख लिया। उन्होंने सामूहिक बलात्कार किया। काफी हो-हल्ला मचा। लेकिन बुनियादी बातों को नजरअंदाज किया गया। उन्माद, जोश या नशे में भावनात्मक व दैहिक सीमाएं छिन्न-भिन्न हो जाती हैं। ढेरों मामलों होता तो यह भी है कि लड़की के अपने साथी के साथ दैहिक रिश्ता बनाते देख अन्य लड़के टूट पड़ते हैं। उनकी गलीज सोच उन पर हावी हो जाती है। वे जबरदस्ती पर आमादा हो जाते हैं। स्त्री की देह उन्हें सहज-सुलभ लगने लगती है। सब कुछ बहुत गड्ड-मड्ड होता चला जाता है। बात रेप की हो, जबरन संबंध बनाने की या मौका पा कर स्त्री की देह पर अपना पौरुष उढ़ेलने की ललक की, यह वक्त विचार का है। नैतिकता की झीनी चादर को संभलाने और आवेश को मुट्ठी में भीचने का है। एक-दूसरे पर लांछन लगाने। सच्चाई को झुठलाने और बातें बनाने या मुकरने का नहीं। ब्रेन वॉश की बजाए हकीकत को समझने और दूरंदेशी से काम लेने का वक्त है। हमें अपनी बच्चियों को बचाना भी है और लड़कों को उनकी सीमाएं भी बताना है। कानूनी सख्तियां ठीक हैं पर सेल्फ कंट्रोल और अनुशासन भी किरची-किरची नहीं होना चाहिए। एक-दो, चार-छह बलात्कारियों को फांसी देकर इस संक्रमण को नहीं रोक सकते हैं हम। गालिब का शेर है- ताउम्र गालिब यह भूल करता रहा, धूल चहरे पर थी -आईना साफ करता रहा। ■

पुदीना शर्बत

सामग्री- पुदीने का पत्ते एक कप कटे हुए, हरा धनिया एक कप, नींबू 2, चीनी एक बड़ा चम्मच, भुना जीरा 2 छोटे चम्मच, काला नमक 1 छोटा चम्मच, अदरक एक इंच टुकड़ा, हींग एक चुटकी, नमक स्वादानुसार

विधि- पुदीने का शर्बत बनाने के लिए सबसे पहले पुदीना पत्ता, धनिया पत्ता, अदरक को छील कर धो लें। अब इन सबको शक्कर, भुना जीरा, हींग, काला नमक और सफेद नमक में मिलाकर मिक्सर में बारीक पीस लें। पेस्ट को एक बड़े बाउल में निकाल कर रख लें। अब उसमें चार गिलास ठंडा पानी मिलाएं। अब इसमें दो नींबू निचोड़ कर अच्छी तरह चम्मच से मिलाएं। तैयार हो गया पुदीना शर्बत। अब ताजा पुदीना शर्बत सर्विंग गिलास में निकाल कर आप चाहे तो ऊपर से कुटी हुई बर्फ मिलाकर भी सर्व कर सकती हैं।

फूलों का संसार वैली ऑफ फ्लावर्स

जंगल और झाड़ियों के बीच उगे हुए फूल ही इंसान को मुश्किल वक्त में राहत देते होंगे। फूलों से ही पहली बार उसने रंगों को पहचाना होगा। खुशबू को जाना होगा। पहली बार सौंदर्य का अहसास किया होगा। फूलों की अपनी दुनिया है। वो याद दिलाते हैं कि पर्यावरण के असंतुलन से लगातार धुआंती, काली पड़ती, गरम होती इस दुनिया में फूलों को बचाए रखना जरूरी है। उत्तराखंड की फूलों की घाटी अद्‌भुत, रंग बिरंगी सैकड़ों प्रजातियों के फूलों का अलग संसार है।

फूलों की घाटी- उत्तराखंड के सीमांत जनपद चमोली में मौजूद यूनेस्को की विश्व धरोहर रंग बदलने वाली फूलों की घाटी को हर साल आवाजाही के लिए जून को आम पर्यटकों के लिए खोल दिया जाता है। पर्यटक 31 अक्टूबर तक फूलों की सौंदर्य का आनंद उठा सकते हैं। 2005 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया था। 87.5 वर्ग किमी में फैली फूलों की घाटी में दुनियाभर में पाए जाने वाले फूलों की 500 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं।

फ्रेंक स्मिथ की खोज- फूलों की घाटी को खोजने का श्रेय फ्रैंक स्मिथ को जाता है। वह 1931 में कामेट पर्वत के अभियान से लौट रहे थे, तब रास्ता भटकने के बाद 16700 फीट ऊंचे दर्रे को पार कर असंख्य प्रजातियों के फूलों की सुंदरता को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। स्मिथ को 1937 में दोबारा यहां गहन अध्ययन व शोध किया और 300 से अधिक फूलों की प्रजातियों के बारे में जानकारी एकत्रित की। अपने इस संपूर्ण अध्ययन को फ्रैंक स्मिथ ने 1938 में 'वैली ऑफ फ्लावर' में प्रकाशित किया।

मार्गेट लैगी की कब्र- 1938 में विश्व के मानचित्र पर फूलों की घाटी के छा जाने के बाद 1939 में क्यू बोटेनिकल गार्डन लन्दन की ओर से जॉन मागरिट लैगी, 54 वर्ष की उम्र में फूलों का अध्ययन करने के लिए आई थी। फूल चुनते हुए 4 जुलाई 1939 को पहाड़ी की ढाल से गिरने से उनकी मौत हो गई। लैगी की याद में यहां पर स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते है।

पांच सौ प्रजाति के फूल- फूलों की घाटी में पांच सौ प्रजाति के फूल अलग-अलग समय पर खिलते हैं। यहां जैव विविधता का खजाना है। यहां पर उगने वाले फूलों में पोटेंटिला, प्राइमिला, एनिमोन, एरिसीमा, एमोनाइटम, ब्लू पॉपी, मार्स मेरी गोल्ड, ब्रह्म कमल, फैन कमल जैसे कई फूल यहा खिले रहते हैं। घाटी मे दुर्लभ प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पति, जड़ी बूटियों का संसार बसता है। फूलों की घाटी की खास बात है कि हर 15 दिन में यहां अलग-अलग प्रजाति के रंगबिरंगे फूल खिलने से घाटी का रंग भी बदलता रहता है। यह ऐसा सम्मोहन है, जिसमें हर कोई कैद होना चाहता है।

कैसे पहुंचे और कब आएं - फूलों की घाटी पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से गोविंदघाट तक पहुंचा जाता है। यहां से 14 किमी. की दूरी पर घांघरिया है। समुद्र तल से यहां की ऊंचाई 3050 मीटर है। यहां लक्ष्मण गंगा पुलिया से बाईं तरफ तीन किमी की दूरी पर फूलों की घाटी है। जुलाई प्रथम सप्ताह से अक्तूबर तृतीय सप्ताह तक यहां फूलों की छटा सबसे खूबसूरत होती है। यहां विभिन्न प्रकार की तितलियां भी पाई जाती हैं। इस घाटी में कस्तूरी मृग, मोनाल, हिमालय का काला भालू, गुलदार, हिम तेंदुआ भी दिखता है।

■ सुधा

मसाला करेला

सामग्री- छोटा साइज का करेला 5-6, प्याज दो बारीक कटे हुए, टमाटर 2 कटा हुआ, अदरक लहसुन पेस्ट 2 चम्मच, साबुत जीरा आधा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, हल्दी एक छोटा चम्मच, गरम मसाला एक छोटा चम्मच, कटा हरा धनिया एक चम्मच, नमक स्वादानुसार, चीनी आधा चम्मच, फ्रेश क्रीम 2 चम्मच, टमाटर प्यूरी दो चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि-करेले को धोकर चाकू की सहायता से 4-5 चीरा लगा लें। अब कढ़ाही में तेल डालकर करेले में हल्दी नमक लगा कर मीडियम आंच पर सभी करेला को सुनहरा होने तक भून लें। एक दूसरा फ्राई पैन गैस पर रखें उसमें दो-तीन चम्मच तेल डालें। फिर तेल गरम होने पर जीरा डाल दें। जीरा चटकने के बाद इसमें बारीक कटी प्याज डाल दें। जब प्याज गुलाबी हो जाए तब उसमें अदरक लहसुन पेस्ट, मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर डालकर 5 मिनट तक पकाएं। अब कटा हुआ टमाटर और टमाटर प्यूरी को एक साथ डालें। 5 मिनट बाद नमक और चीनी मिलाएं। अब इस मसालें में भुना हुआ करेला डाल दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक कप पानी डालें। थोड़ा उबाल आने पर आंच बंद कर दें। इसमें ताजा क्रीम और धनिया से सजाएं। तैयार हो गया मसाला करेला। रोटी या पराठे के साथ परोसें।

खीरे के सौंदर्य लाभ

खीरे के कई सौंदर्य लाभ हैं, खासकर गर्मी के मौसम में। खीरे में विटामिन सी पाया जाता है जो चेहरे पर चमक लाता है। खीरा त्वचा को टोनिंग और रिफेश करने के अलावा रोमछिद्रों को बंद भी करता है और त्वचा की तैलीयपन को भी कम करता है। खीरा आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा के सूजन काले घेरों को कम करने और चमकदार बनाने में मदद करता है। कद्दूकस किया हुआ खीरे या खीरे का रस रोजाना आंखों के आसपास की त्वचा पर लगाएं, १५ मिनट के बाद इसे सादे पानी से धो लें।

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

टोनर

- एक खीरे के रस में एक चम्मच गुलाब जल और एक कप मिनरल वाटर मिलाकर आप खीरे के रस से स्किन टोनर बना सकते हैं। यह न केवल त्वचा को टोन करेगा, बल्कि टैन भी हटा देगा। खीरे के रस में एक चम्मच पुदीने का रस और एक कप मिनरल वाटर मिलाएं। यह आयली स्किन पर सूट करेगा।

- एक खीरे के रस में आधा चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच एलोवेरा का रस और एक कप गुलाब जल भी मिला लें। मिश्रण को फ्रिज में ठंडा करें। यह टोनर रोमछिद्रों को बंद कर देगा और त्वचा को बिना ऑयली बनाए मॉइस्चराइज भी करेगा।
- एक कप नारियल पानी में एक चम्मच खीरे का रस भी मिला सकते हैं। यह सबसे ताजा त्वचा टोनर बनाता है, साथ ही त्वचा को ठंडा भी करता है। यह एक त्वचा को गोरा करने वाला सौंदर्य उपचार भी है यदि इसे समय पर इस्तेमाल किया जाए तो इससे त्वचा के दाग-धब्बों हल्के भी होते हैं।
- 10 ग्राम गुलाब की पंखुड़ियां लेकर एक बाउल में निकाल लें। उन्हें ढकने के लिए दो कप गर्म पानी डालें और उन्हें पानी में डालने दें। इसे रात भर छोड़ दें। अगली सुबह ठंडा करें और छान लें, फिर एक बड़ा चम्मच खीरे का रस और एक विटामिन ई कैप्सूल डालें। इसे मिलाएं। इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और चेहरे पर एक महीन धुंध स्प्रे करने के लिए इसका इस्तेमाल करें। यह टोनर त्वचा को टोन, ताजा और पोषण देने में मदद करता है। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(08-14 जून)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- जहां भी जाएंगे, प्रशंसा एवं प्यार मिलेगा। नौकरीपेशा लोग अच्छा करेंगे और धीमे और स्थिर रहेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छे रिश्ते का आनंद लेंगे। विवाह योग्य के विवाह का योग बन रहा है। सामाजिक सम्बन्ध मजबूत होंगे। नौकरी के नए अवसर मिलेंगे। प्रॉपर्टी भी खरीद सकते हैं।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- खुद कि देखभाल करें, हो सकता है थका हुआ महसूस कर रहे हों इसीलिए इस बीच कुछ समय अपने लिए निकालें। निराश और तनावग्रस्त होने के बजाय जीवन को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने कि कोशिश करें। खर्चों को सीमित करके अपने पैसे को संभाल कर रखें। वैवाहिक जीवन में असंतोष का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर यह समय थोड़ा सचेत रहने का है। आगे बढ़ने के लिए सबको साथ लेकर चलना जरूरी है।

मिथुन (22मई -21जून)- उत्कृष्ट संचार कौशल के साथ -साथ बौद्धिक क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं आप। इसे आने वाले सप्ताह में भी जारी रखेंगे। ज्ञान स्थान देगा और नाम, प्रसिद्धि और यश प्राप्त होगा। बचत करने की कोशिश करनी चाहिए। कार्यस्थल पर स्थिरता और काम के प्रति लगन को देखते हुए प्रमोशन की सम्भावना है। सेहत का ध्यान रखने की आवश्यकता है।

कर्क (22जून -22जुलाई)- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर क्या कमा रहे हैं और किस प्रकार से व्यवसाय आगे बढ़ाएंगे, आपको ध्यान रखना जरूरी है की भविष्य में किसी प्रकार का षड्यंत्र न हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। काम से जुड़ी उलझनें हो सकती हैं।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- काम से जुड़े सभी मामलों में आंखें और कान खुले रखने चाहिए, ऑफिस की राजनीति का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारिओं के साथ स्वस्थ सम्बन्ध बनाए रखें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और उन पर उत्कृष्टता प्राप्त करें। व्यक्तिगत जीवन में क्रोध पर नियंत्रण रखने की जरुरत है। मांसपेशियों के लिए कसरत अथवा योग करें। ध्यान करने से तनाव भी कम होगा एवं मन की शांति प्राप्त होगी।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- नौकरी में बदलाव की सम्भावना नजर आ रही है और लम्बे समय से प्रदोन्नति की भी सम्भावना है। निवेश के लिए समय अच्छा है। पैतृक सम्पत्ति मिलने की सम्भावना है। परिवार में अनबन हो सकती है। इसीलिए किसी भी प्रकार के बहस से बचें और प्रत्येक व्यक्ति के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दें।

तुला (24सित-23अक्टू)- क्षमता दिखाने के लिए कई अवसर मिलेंगे। कड़ी मेहनत, ईमानदारी पर निश्चित रूप से ध्यान दिया जाएगा। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार करें। जरुरत पड़ने पर दूसरों से समर्थन लें। ऑफिस की राजनीति से दूर रहें। ऊर्जा को केवल काम पर केंद्रित करें। परिवार बहुत सहयोगी होगा। आर्थिक निवेश के प्रति सावधान रहें।

वृश्चिक (24अक्टू-22नव)- परिस्थितियों का संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। किसी प्रकार से कोई ऐसा निर्णय न लें, जिससे की नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना या आय के स्त्रोत को छोड़ना, परेशानी का कारण बन सकता है। कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। खर्च पर भी ध्यान रखना होगा। किसी भी प्रकार के रोग को आगे बढ़ने ना दें।

धनु (23नव-22दिस)- कई बदलावों और सकारात्मक विकासों से गुजर रहे होंगे, कमर कस लीजिए। कदम कदम पर , लगातार नई शुरुआत और नए जीवन की ओर बढ़ेंगे। रिश्तों को अच्छे से संभालेंगे और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। बॉस का समर्थन प्राप्त होगा। पेशेवर पक्ष में कोई भी जटिलता या बाधा हल हो जाएगी।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- इस सप्ताह असीम संतुष्टि महसूस करेंगे। संघर्ष के बाद भौतिक लाभ व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। नए अवसरों का स्वागत करेंगे। निजी सम्बन्ध में प्रेम विश्वास व सहयोग रहेगा। सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

कुम्भ (21जन-19फर) - यदि लक्ष्य की ओर नहीं जा रहे तो तरीके और काम पर पुनर्विचार करें। यह बड़ा फायदा दिलवाएगा और लक्ष्य तक पहुंचाएगा। परिवार और सेहत पर ध्यान दें। सोच समझकर निर्णय लें। दिमाग को शांत रखने की कोशिश करें, इससे कई समस्याओं के हल आसानी से मिल जाएंगे।

मीन (29 फरवरी -20मार्च)- किसी प्रभावी व्यक्ति से मिला सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। बेहतर काम की लोग तारीफ करेंगे। धन के लेनदेन में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहने की जरुरत है। छेटी सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। दूसरों का ध्यान आसानी से खीचने में कामयाब होंगे। ■

कर्ज महंगा करने के लिए बैंकों ने चलाया नया ट्रेंड

■ एमपीसी की बैठक के दौरान ही बढ़ा रहे ब्याज दरें ■ केनरा व करूर वैश्य बैंक के बाद एचडीएफसी ने भी बढ़ाई दरें

मुंबई (भाषा)।

बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाने का नया ट्रेंड शुरू किया है। पहले जहां बैंक मौद्रिक नीति समिति की बैठक खत्म होने का इंतजार करते थे वहीं अब मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान ही ब्याज दरें बढ़ाने का ऐलान कर रहे हैं।

इसका ताजा उदाहरण सोमवार और मंगलवार को देखने को मिला निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को ऋण दरों में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि की है। जबकि केनरा बैंक और करूर वैश्य बैंक ने सोमवार को ही ब्याज दरों में वृद्धि कर दी थी। जबकि मौद्रिक नीति समिति की बैठक भी सोमवार को ही शुरू हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजे से पहले एचडीएफसी बैंक ने यह कदम उठाया है। बैंक द्वारा दो माह में यह ब्याज दरों में दूसरी वृद्धि है। दो बार में एचडीएफसी बैंक ने ऋण पर ब्याज दरों में 0.60 प्रतिशत की वृद्धि की है। अब अगर केंद्रीय बैंक रेपो दरों में और वृद्धि करता है तो एचडीएफसी बैंक व केनरा बैंक ब्याज दरों में फिर से बढ़ोतरी कर सकते हैं। महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने चार मई को रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। माना जा रहा है कि केंद्रीय बैंक बुधवार को पेश की जाने वाली अपनी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत रुख को और सख्त कर सकता है। बैंक की वेबसाइट पर डाली गई सूचना के अनुसार, सात जून से बैंक ने अपनी कोष की सीमान्त लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को 0.35 प्रतिशत बढ़ा दिया है। बैंक की एक साल की एमसीएलएल 7.50 प्रतिशत से बढ़कर 7.85 प्रतिशत हो गई है। वहीं एक दिन की एमसीएलआर 7.15 प्रतिशत से बढ़कर 7.50 प्रतिशत और तीन साल की एमसीएलआर 7.70 प्रतिशत से 8.05 प्रतिशत हो गई है।

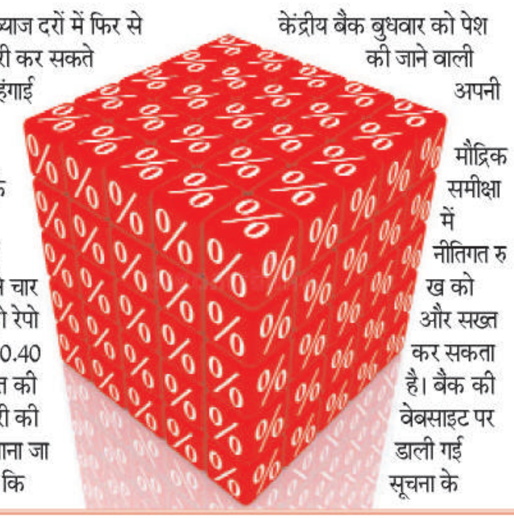

गौरतलब है कि सोमवार को केनरा बैंक ने एक साल की अवधि वाली कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को 0.05 प्रतिशत बढ़ाकर 7.40 प्रतिशत कर दिया है।

बैंक ने छह महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर दर भी 7.30 फीसद से बढ़ाकर 7.35 फीसद कर दी है।

उधर करुर वैश्य बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसने बेंचमार्क प्रधान ऋण दर (बीपीएलआर) को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 13.75 प्रतिशत और आधार दर को भी 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 8.75 प्रतिशत कर दिया है।

सभी जिलों में सरकारी बैंकों का ऋण मेला आज

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बुधवार को देश भर में बड़े पैमाने पर ऋण मेले का आयोजन करेंगे और कर्ज सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जनता के सवालों के जवाब देंगे।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश के सभी जिलों में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ऋण सुविधा और नामांकन के बारे में ग्राहकों और जनता के सवालों का जवाब देने को तैयार है। इन जिला स्तरीय कार्यक्रमों का समन्वय सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियों (एसएलबीसी) द्वारा किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत बुधवार, आठ जून 2022 को ये बैंक बड़े पैमाने पर ऋण मेलों का आयोजन कर रहे है।

संक्षिप्त खबरें

मित्सुबिशी निवेश करेगी

नई दिल्ली। मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक कारपोरेशन ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी भारतीय सहायक कंपनी के जरिए महाराष्ट्र में एक नया कारखाना स्थापित करने के लिए 220 करोड़ रुपए (3.1 अरब येन) का निवेश करेगी। नई फैक्ट्री महाराष्ट्र में पुणे के पास स्थापित की जाएगी। मित्सुबिशी की सहायक कंपनी मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया इनवर्टर और अन्य फैक्ट्री आटोमेशन (एफए) नियंत्रण प्रणाली के उत्पादों का विनिर्माण करेगी। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। नए कारखाने में दिसम्बर 2023 तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है।

सोनी के पूर्व सीईओ का निधन

टोक्यो। जापान की कंपनी सोनी का 1998 से 2005 तक नेतृत्व करने वाले नोबुयुकी इदेई का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इदेई ने सोनी के डिजिटल और मनोरंजन व्यवसायों को बढ़ाने में अहम योगदान दिया। सोनी ग्रुप कारपोरेशन ने एक बयान में कहा कि इदेई की दो जून को टोक्यो में लीवर की बीमारी से मृत्यु हो गई। सोनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केनिचिरो योशिदा ने कहा कि वह और कंपनी, सोनी को इंटरनेट युग के लिए तैयार करने में इदेई के योगदान के लिए उनकी ऋणी हैं।

आस्ट्रेलिया में ब्याज दरें बढ़ीं

कैनबरा। आस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अपनी प्रधान ब्याज दर को पांच सप्ताह में दूसरी बार बढ़ा दिया, जिसके बाद नकद दर 0.35 प्रतिशत से बढ़कर 0.85 प्रतिशत हो गई है। रिजर्व बैंक आफ आस्ट्रेलिया ने तीन मई को अपनी पिछली मासिक बोर्ड बैठक में दर में एक चौथाई प्रतिशत की वृद्धि की थी। अप्रैल में जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक आस्ट्रेलिया की मुद्रास्फीति बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई। इसके बाद से ही दर में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही थी। ब्याज दर में और बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है।

वाल्वो कार की नई योजना

मुंबई। स्वीडन की लग्जरी कार विनिर्माता वाल्वो कार ने घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी शुद्ध इलेक्ट्रिक काम्पैक्ट एसयूवी एक्ससी-40 रिचार्ज को स्थानीय स्तर पर बेंगलुरु के पास कंपनी की होसाकोटे विनिर्माण इकाई में तैयार करने की योजना बनाई है। इलेक्ट्रिक काम्पैक्ट एसयूवी एक्ससी-40 रिचार्ज को अगले महीने देश में उतारने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वाल्वो कार इंडिया ने साल 2017 में स्थानीय असेंबली शुरू की थी, उसकी योजना अन्य माडल को स्थानीय स्तर पर असेंबल करने की है।

एस्सार ने निवेश किया

नई दिल्ली। एस्सार आयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में उसके रानीगंज पूर्वी ब्लाक से कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) गैस का उत्पादन प्रतिदिन आठ लाख घनमीटर को पार कर गया है और अगले 24-30 महीनों में उत्पादन तीन गुना करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी पहले कोल सीम के नीचे पाई जाने वाली गैस सीबीएम को उर्वरक संयंत्रों तक ले जाने के लिए एक पाइपलाइन की कमी का सामना कर रही थी लेकिन गेल इंडिया लिमिटेड की ऊर्जा गंगा ट्रक लाइन शुरू होने के साथ अब वह बाधा भी दूर हो गई है। ईओजीईपीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं निदेशक पंकज कालरा ने यह जानकारी प्रदान की।(एजेंसी)

शिकायत निपटान के लिए सोशल मीडिया यूजर्स के सुझावों पर गौर करेगी सरकार

■ उद्योगों ने दिया स्व नियामकीय व्यवस्था का सुझाव

■ नए संशोधनों को जुलाई में दे दिया जाएगा अंतिम रूप

नई दिल्ली (भाषा)।

सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि सरकार सोशल मीडिया के उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के बेहतर समाधान के लिए स्वनियामकीय अपीलीय व्यवस्था बनाने के उद्योग के सुझावों पर गौर करने को तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि व्यापक विचार-विमर्श के बाद सोशल मीडिया नियमों में नए संशोधनों को जुलाई महीना समाप्त होने से पहले अंतिम रूप दे दिया जाएगा। केंद्र ने सोशल मीडिया मंचों के शिकायत अधिकारी के निर्णय के खिलाफ आवेदनों पर गौर करने को अपीलीय समिति गठित करने का प्रस्ताव किया है। इस लिहाज से यह बयान महत्वपूर्ण है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में किए गए संशोधन के प्रस्ताव के अनुसार समिति को आवेदन प्राप्त होने के तीस दिनों के भीतर उसका निपटान करना होगा और उसका निर्णय संबंधित बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों के लिए बाध्यकारी होगा।

चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा, 'अगर उद्योग सुझाव देता है...अपने तरीके से शिकायतों को लेकर अपील का निपटान करना चाहता है, हम उसके लिए तैयार हैं। यह एक परामर्श है। अगर किसी के पास ज्यादा बेहतर समाधान है, हम उसके लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन का मकसद सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को शिकायतों के निपटान के लिए 'अतिरिक्त विकल्प' प्रदान करना है। मंत्री ने कहा, 'फिलहाल उपयोगकर्ताओं के लिये ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में अगर उद्योग और ये मंच स्व नियामक, स्वनिपटान अपीलीय व्यवस्था लाते है, तो हम उसके लिये तैयार है।'

उन्होंने कहा कि अगर उद्योग शिकायतों के निपटान के लिए स्वयं विधान बनाता है और जवाबदेही तय करता है, सरकार इस प्रकार के सुझाव पर विचार के लिए पूरी तरह से खुली हुई है। चंद्रशेखर ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में शिकायतों का प्रभावी तरीके से समाधान नहीं किया जा रहा है।

श्रीलंका ने उर्वरक खरीदने को भारत से मांगा कर्ज

कोलंबो (भाषा)।

श्रीलंका ने यूरिया खरीदने के लिए भारत से 5.5 करोड़ डालर का कर्ज मांगा है। श्रीलंका इस समय अपने अबतक के सबसे भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इसके कारण देश में खाने के सामान की कमी का जोखिम उत्पन्न हो गया है।

प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे ने हाल ही में आर्थिक समस्या के कारण देश में खाद्य संकट उत्पन्न होने को लेकर आगाह किया था। एक अधिकारी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री के भारत से खेती के लिए यूरिया खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। श्रीलंका ने कहा कि भारत सरकार निर्यात-आयात बैंक के जरिए 5.5 करोड़ डालर का कर्ज देने को राजी हो गई है। यह कर्ज 2022-23 में खेती के लिए यूरिया की खरीद को लेकर लिया गया है। विक्रमसिंघे ने कहा है कि किसानों के समक्ष उर्वरक की कमी को दूर करने के लिए अगर तेजी से कदम उठाए जाते है, तो पांच से छह महीने के भीतर कृषि क्षेत्र में मौजूदा समस्या को दूर किया जा सकता है।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने पिछले साल रसायनिक उर्वरकों के उपयोग पर पाबंदी लगा दी थी। इससे फसल उत्पादन में करीब 50 प्रतिशत की कमी आई। इस निर्णय के खिलाफ किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार ने इसकी उपेक्षा की। उसने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य खेतीबाड़ी को जैविक उर्वरकों के साथ हरित बनाना है। श्रीलंका 1945 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद के अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है।

तकनीक के दुरुपयोग पर लगे लगाम : निर्मला

■ इसके लिए डिजिटलीकरण की समय से आगे की जानकारी होना जरूरी

■ डिजिटलीकरण की समस्याओं से निपटने को मजबूत सुरक्षा तंत्र का होना भी बेहद जरूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि नियामकों और अन्य संस्थाओं को डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को समझने में अधिक उन्नत और वक्त से आगे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी कारोबारी गतिविधियों की जरूरत पर जोर दिया।

वित्त और कारपोरेट मामलों की मंत्री सीतारमण ने डिजिटलीकरण के संदर्भ में सुरक्षा तंत्र की जरूरत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2020 और उसके बाद के दशकों में डिजिटल तरीकों का महत्व बढ़ता जाएगा। सीतारमण आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत आयोजित कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के समारोह में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) को डिजिटलीकरण के लिहाज से वक्त से आगे रहना चाहिए, ताकि निष्पक्ष और जवाबदेह प्रथाओं को सुनिश्चित किया जा सके और प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग न हो।

वित्त मंत्री ने निष्पक्ष, जवाबदेह और पारदर्शी कारोबारी प्रथाओं की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सभी को इस तथ्य से अवगत होना होगा कि डिजिटलीकरण समाज के सभी पहलुओं में शामिल है। सीतारमण ने कहा, 'हम मौजूदा रुझानों से पीछे नही रह सकते। नियामकों को यह समझना होगा कि उन्हें किस स्तर पर और किस प्रभाव के साथ तैयार रहने की आवश्यकता है। हमें इस तरह की स्थिति में अनजान बनकर जाने की जगह अच्छी तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा।' उन्होंने कहा कि नियामकों और संस्थानों को डिजिटलीकरण से लाभ उठाना चाहिए।

कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत विभिन्न संस्थानों का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि सीसीआई ने एक बड़ा योगदान दिया है।

कारपोरेट मामलों के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि मंत्रालय अनुपालन प्रबंधन सहित विभिन्न उपायों को लागू करेगा। उन्होंने कारोबारी सुगमता के लिए प्रौद्योगिकी आधारित मंचों पर जोर दिया। कारपोरेट मामलों के राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सीएसआर एक्सचेंज पोर्टल भी शुरू किया गया।

बिजली वितरण कंपनियों से हरित ऊर्जा की मांग कर सकेंगे उपभोक्ता

■ सरकार ने हरित बिजली खुली पहुंच नियम 2022 को अधिसूचित किया

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम को गति देने के लिए हरित बिजली खुली पहुंच नियम 2022 को अधिसूचित किया है।

बिजली मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि ये नियम हरित ऊर्जा के उत्पादन, खरीद और खपत को बढ़ावा देने के लिए अधिसूचित किए गए है। ये नियम हरित बिजली के लिए खुली पहुंच को लेकर प्रक्रिया सुगम बनाएंगे। बयान के अनुसार, 'महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम को आगे और गति देने तथा सभी को सस्ती, भरोसेमंद हरित ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए हरित खुली पहुंच नियम 2022 को छह जून को अधिसूचित किया गया।' इसमें कहा गया है कि उपभोक्ता अब बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से हरित ऊर्जा की मांग कर सकते है। हर उपभोक्ता 2030 तक 5,00,000 मेगावाट हरित बिजली क्षमता के लक्ष्य को पूरा करने को लेकर देश की प्रतिबद्धता को प्राप्त करने में योगदान करने को हितधारक बनेगा।' नियमों के अनुसार, हरित खुली पहुंच व्यवस्था में सभी उपभोक्ताओं को अनुमति दी गई है। इसके तहत सीधे बिजली उत्पादकों से हरित ऊर्जा खरीद के लिए सीमा एक मेगावाट से घटाकर 100 किलोवाट कर दी गई है। इससे कम खपत वाले उपभोक्ता भी खुली पहुंच व्यवस्था यानी सीधे उत्पादकों से नवीकरणीय ऊर्जा खरीद सकेंगे।

खुली पहुंच से जुड़े आवेदनों की मंजूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी। नियमों के तहत मंजूरी 15 दिन के अंदर दी जाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है, तो आवेदन को मंजूर माना जाएगा। लेकिन इसके लिए तकनीकी जरूरतों को पूरा करना आवश्यक है। यह सब राष्ट्रीय पोर्टल के जरिए होगा। शुल्क दरों के बारे में इसमें कहा गया है, 'हरित ऊर्जा की दरें उचित आयोग अलग से तय करेगा।

देश की 101वीं यूनिकॉर्न बनी 'फिजिक्सवाला'

नई दिल्ली (भाषा)।

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी 'फिजिक्सवाला' 10 करोड़ डालर (करीब 777 करोड़ रुपए) का नया वित्तपोषण जुटाने के साथ देश की 101वी यूनिकार्न बन गई है। यूनिकार्न से आशय एक अरब डालर से अधिक के मूल्यांकन से है।

फिजिक्सवाला ने श्रृंखलाए वित्तपोषण दौर में वेस्टब्रिज और जीएसवी वेंचर्स से 1.1 अरब डालर के मूल्यांकन पर यह निवेश जुटाया है। इसी के साथ कंपनी देश की 101वी यूनिकार्न बन गई है। श्रृंखला ए वित्तपोषण दौर में यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह पहली शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी है।

शिक्षा प्रौद्योगिकी स्टार्टअप ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कंपनी इस निवेश का इस्तेमाल कारोबार के विस्तार, ब्रांडिंग, नए शिक्षा केंद्र और अपनी पेशकश में नए पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए करेगी। कंपनी का दावा है कि उसकी एप्लिकेशन को अबतक 52 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है और यूट्यूब पर उसके साथ 69 लाख लोग जुड़े हैं।"

आयकर पोर्टल पर फिर तकनीकी खराबी आई

■ इंफोसिस को निर्देश, जल्द दूर हो खराबी

नई दिल्ली (भाषा)। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस को ईफाइलिंग पोर्टल में 'सर्च' विकल्प में खामियों को दूर करने का निर्देश दिया गया है। कई प्रयोगकर्ताओं ने आयकर विभाग के पोर्टल के उपयोग के दौरान उत्पन्न समस्या की शिकायत की है। मंगलवार को पोर्टल में सेंध लगने की भी शिकायत की गयी। यह मामला पोर्टल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ पर सामने आया। विभाग ने कहा कि इन्फोसिस प्राथमिकता के आधार पर इसका समाधान कर रही है। आयकर विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, "ईफाइलिंग वेबसाइट की 'सर्च' से जुड़े विकल्प में समस्या हमारे संज्ञान में आई है। आयकर विभाग ने इन्फोसिस को इस मामले पर गौर करने का निर्देश दिया है। कंपनी ने कहा है कि वह प्राथमिकता के आधार पर मामले का समाधान कर रही है।' वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने यह भी कहा कि पोर्टल के आंकड़ों में कोई सेंध नहीं लगी है। मंगलवार को नए आयकर पोर्टल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ थी।

नया ईफाइलिंग पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट इनकमटैक्स डाट गाव डाट इन सात जून, 2021 को शुरू किया गया था। शुरू में कई बार पोर्टल पर करदाताओं और पेशेवरों को कर रिटर्न और अन्य फार्म जमा करने में समस्या उत्पन्न हुई थी। इसके कारण सरकार को करदाताओं के लिए कर रिटर्न और अन्य संबंधित फार्म भरने की समयसीमा बढ़ानी पड़ी थी।

मादक पेय पदार्थों के लिए बनेगी निर्यात संवर्धन परिषद

नई दिल्ली (भाषा)।

शराब उद्योग के निकाय सीआईएबीसी ने सरकार से कहा है कि मादक पेय पदार्थो के लिए वाणिज्य मंत्रालय के तहत निर्यात संवर्धन परिषद का गठन किया जाए।

निकाय का कहना है कि इससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और उद्योग को मजबूती मिलेगी। कंफेडरेशन आफ इंडियन एल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) ने इस संबंध में सरकार को पत्र लिखा है। सीआईएबीसी के महानिदेशक विनोद गिरी ने कहा कि इस क्षेत्र को निर्यात बढ़ाने के लिए मदद की आवश्यकता है, खासकर मुक्त व्यापार समझौतों के संदर्भ में इसकी जरूरत है। इस समय भारत लगभग 70 लाख केसेज का निर्यात करता है और इस क्षेत्र को इन समझौतों के तहत लाने से भारत के लिए भी अवसर खुलेंगे।

गिरि ने कहा, 'भारत से अल्कोहल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस प्रयास और व्यवस्था की जरूरत है। इसलिए मुझे लगता है कि सरकार को अल्कोहलिक पेय निर्यात संवर्धन परिषद जैसी संस्था बनाने पर विचार करना चाहिए।'

एक अनुमान के अनुसार वैश्विक मादक पेय का व्यापार 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का है और इसमें भारत की हिस्सेदारी आधे प्रतिशत से भी कम है।

शेयरों में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 568 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)। कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी कोषों की लगातार निकासी से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.98 अंक लुढ़क गया। इस गिरावट से निवेशकों को दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के अंत में 567.98 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,107.34 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 792.91 अंक यानी 1.42 प्रतिशत तक टूट गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 153.20 अंक यानी 0.92 प्रतिशत गिरकर 16,416.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

लद्दाख में पैंगोंग झील के पास जियो ने दीं 4जी सेवाएं

■ झील के नजदीक एक गांव में आ रहा बढ़िया नेटवर्क ■ इस गांव में मिल रही हैं वॉयस और डेटा से जुड़ी सेवा

श्रीनगर (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने लद्दाख क्षेत्र में पैंगोंग झील के नजदीक एक गांव तक अपनी 4जी सेवाओं की पहुंच बढ़ा दी है।

यह एक ऐसा क्षेत्र जो बीते वर्षों में भारत और चीन के बीच टकराव का केंद्र रहा है। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस जियो ने लद्दाख में पैंगोंग झील के पास स्पंगमिक गांव में अपनी 4जी वॉयस और डेटा सेवाएं शुरू की है। अधिकारियों ने बताया कि जियो पैंगोंग और उसके आसपास क्षेत्र में 4जी मोबाइल सुविधा प्रदान करने वाला पहला नेटवर्क है। यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। लद्दाख से लोकसभा सासंद जामयांग सेरिंग नामग्याल ने स्पंगमिक गांव में जियो मोबाइल टावर का उद्घाटन किया है। नामग्याल ने कहा कि क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क शुरू होने से स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है।

उन्होंने कहा, 'इस कदम से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही क्षेत्र में पर्यटकों और जवानों को निर्बाध संपर्क मिल सकेगा।' जियो ने कहा कि वह सभी को डिजिटल रूप से जोड़ने और समाज को सशक्त बनाने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप लद्दाख क्षेत्र में अपने नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रही है।

पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 जून को

रोहित, कोहली, बुमराह जैसे शीर्ष खिलाड़ी टीम में नहीं

द्रविड़ बना रहे रणनीति, अफ्रीका सीरीज के लिए तैयार टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत औ.र साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 जून को दिल्ली में आयोजित होना है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे प्लेयर्स इस सीरीज का पार्ट नहीं हैं। ऐसे में कप्तानी का जिम्मा केएल राहुल के कंधों पर है। मंगलवार को टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस सेशन में भाग लिया।

खिलाड़ियों के पूरे प्रैक्टिस सेशन पर हेड कोच राहुल द्रविड़ पैनी निगाहें बनाए हुए थे। पहले और दूसरे दिन के सेशन में तेज गेंदबाज उमरान मलिक को लंबा स्पेल करने का मौका मिला। आईपीएल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद उमरान को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। उमरान मलिक की तरह अर्शदीप सिंह भी नेट्स पर काफी अधिक प्रभावशाली दिखे। हर्षल पटेल, युजवेंद्र चहल और हार्दिक पंड्या पहले दिन के अभ्यास सत्र से नदारद रहे।

कार्तिक ने किया थ्रो-डाउन अभ्यास

36 साल के दिनेश कार्तिक ने थ्रो-डाउन विशेषज्ञ नुवान, दया और रघु से ऐसी गेंदें फेंकने के लिए कहा, जिसपर वह शॉर्ट फाइन और शॉर्ट थर्ड मैन फील्डर के ऊपर से लैप स्कूप और रिवर्स लैप लगा सकें। दिनेश कार्तिक को पहले गेम से बाहर बैठना पड़ सकता है। इसके पीछे की वजह ऋषभ पंत का टीम में होना है। पंत को इस सीरीज के टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। पंत ने प्रैक्टिस के दौरान उमरान मलिक का बखूबी सामना किया।

भारतीय टी-20 टीम

केएल राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान, विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह।

पहले टी20 के सभी टिकट बिके

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार को यहां होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के 94 प्रतिशत टिकट बिक चुके हैं। अरुण जेटली स्टेडियम की क्षमता 35 हजार दर्शकों की है। दिल्ली में नवंबर 2019 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच का आयोजन हो रहा है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव राजन मनचंदा ने कहा, '94 फीसदी टिकट बिक चुके हैं। अब करीब 400-500 टिकट ही बचे हैं।' लगभग 27,000 टिकट बिक्री के लिए रखे गए थे।

खबर संक्षेप

फर्नांडिज ने बढ़ाया गोवा के साथ करार

मडगांव। भारत के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर सेरिटन फर्नांडिज ने एफसी गोवा के साथ नया अनुबंध किया है जिससे वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की इस टीम के साथ 2024 की गर्मियों तक रहेंगे। इस नए करार के साथ फर्नांडिज के सात सत्र तक एफसी गोवा के साथ रहने का रास्ता साफ हो गया है। क्लब ने 2017 में फर्नांडिज को आईएसएल खिलाड़ी ड्रॉफ्ट के सातवें दौर में अपने साथ जोड़ा था। नए अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद फर्नांडिज ने 'एफसीगोवा.इन' से कहा, 'एफसी गोवा के साथ करार बढ़ाने की मुझे खुशी है।'

चेन्नईयिन ने जितेश्वर को टीम से जोड़ा

चेन्नई। दो बार के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले मणिपुर के युवा मिडफील्डर युमखेईबाम जितेश्वर सिंह के साथ कई साल का करार किया है। पिछले सत्र में नेरोका एफसी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले जितेश्वर को सर्वश्रेष्ठ उभरता हुए खिलाड़ी चुना गया था। जितेश्वर 12 लीग और पांच चैंपियनशिप चरण के मुकाबलों के दौरान 1500 मिनट से अधिक समय तक मैदान पर रहे और इस दौरान उन्होंने एक गोल करने में मदद की।

चोटिल ग्रैंडहोम टेस्ट श्रृंखला से बाहर

लंदन। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कोलिन डि ग्रैंडहोम दाहिनी एड़ी में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। लॉर्ड्स में पहले टेस्ट मैच के दौरान ग्रैंडहोम घायल हो गए थे और उन्हें 10-12 सप्ताह तक बाहर रहना पड़ सकता है। माइकल ब्रेसवेल घायल हेनरी निकोल्स के कवर के रूप में लंदन में टीम के साथ हैं और वह टीम में बने रहेंगे।

बिली कप फाइनल की मेजबानी करेगा ग्लास्गो

लंदन। बिली जीन किंग कप फाइनल्स स्कॉटलैंड के ग्लासगो में इस साल के आखिर में आठ से 13 नवंबर तक इंडोर हार्ड कोर्ट में खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने मंगलवार को बयान जारी करके कहा कि यह प्रतियोगिता ग्लासगो में अमीरात एरिना में आयोजित की जाएगी।

BILLIE JEAN KING CUP

रिकॉर्ड : ब्रेडमैन के बाद 80+ की औसत से बनाए 2000

सरफराज के पहले 7 शतकों में सभी स्कोर 150 से अधिक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान का रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। सरफराज ने रणजी ट्रॉफी 2022 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ शतक ठोक दिया है। सरफराज ने 140 गेंदों पर 11 चौके और दो छक्के की मदद से अपनी सेंचुरी पूरी की। वह इस सीजन रणजी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस सीजन रणजी में सरफराज अब 600 से ज्यादा रन हो गए हैं। सरफराज का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह सातवां शतक है। वह 153 रन की पारी खेलने के बाद आउट हुए। अपनी शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 205 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौके और 4 छक्के लगाए। वह पिछली पांच पारियों में 156 की औसत से 624 रन बना चुके हैं।

- रणजी ट्रॉफी: पिछली पांच पारियों में 156 की औसत से बना चुके 624 रन

सरफाज इसके साथ ही पहले ऐसे खिलाड़ी बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने फर्स्ट क्लास के क्रिकेट इतिहास में अपने पहले सात शतकों में सभी स्कोर 150 ज्यादा के बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी में सरफराज खान ने पिछले 13 पारियों में छह शतक जमाए हैं। इनमें एक तिहरा शतक, 3 डबल सेंचुरी, पांच बार 150 से ज्यादा का स्कोर और 3 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पिछली 13 रणजी पारियों में छह बार 150 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। रणजी ट्रॉफी 2022 में सरफराज ने अब तक 275, 63, 48, 165 और 153 रन बनाए हैं।

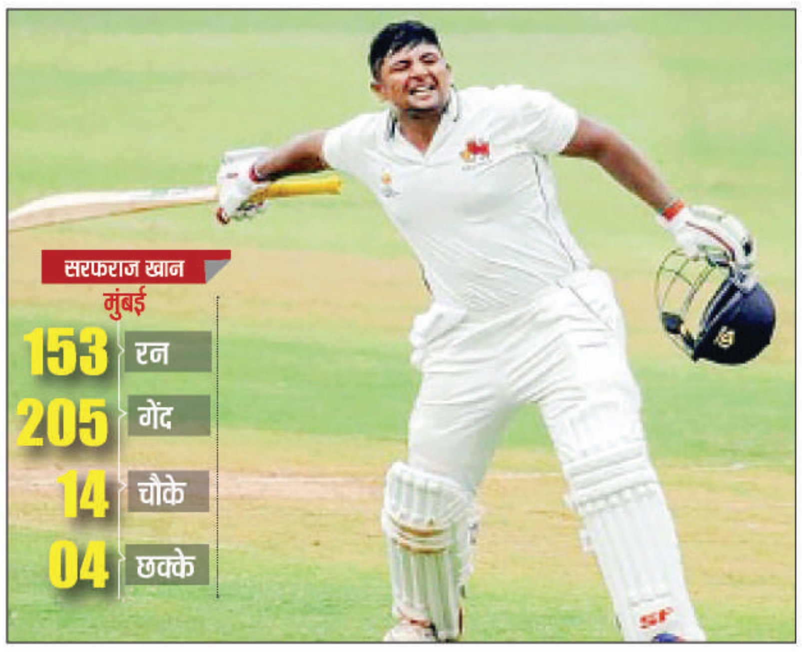

95.14 की औसत से शीर्ष पर ब्रैडमैन

खिलाड़ी	औसत
डॉन ब्रैडमैन	95.14
सरफराज खान	80+
विजय मर्चेंट	71.64
जार्ज हेडली	69.86
बहिर शाह	69.02

सरफराज के फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2000 रन पूरे हो गए हैं। उन्होंने ये रन 80+ की औसत से बनाए हैं, जोकि डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरा बेस्ट औसत है। ब्रैडमैन ने 95.14 की औसत से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2000 रन पूरे किए थे। वहीं, विजय मर्चेंट ने 71.64 से जॉर्ज हेडली ने 69.86 की औसत से और बहिर शाह ने 69.02 की औसत से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 2000 रन पूरे किए थे।

पारकर का कमाल, डेब्यू मैच में जड़ा दोहरा शतक, 28 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

21 साल के सुवेद पारकर ने इतिहास रच दिया है। सुवेद ने अपने डेब्यू मैच में ही दोहरा शतक जमा दिया और अपने ही कोच अमोल मजूमदार के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सुवेद से पहले रणजी क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज अमोल मजूमदार ने साल 1994 में हरियाणा के खिलाफ 260 रनों की पारी खेली थी। अब 28 साल बाद जब अमोल मजूमदार मुंबई टीम के कोच हैं, तब उनकी कोचिंग में ही सुवेद पारकर ने ये इतिहास रचा है। अगर किसी फर्स्ट क्लास मैच के डेब्यू में सर्वाधिक स्कोर की बात करें तो यह रिकॉर्ड सकिबुल गनी के नाम है। जिन्होंने इसी सीजन में 341 रन बनाए थे। हालांकि वह नॉकआउट मैच नहीं था, जबकि सुवेद पारकर ने जो दोहरा शतक जड़ा है वह नॉकआउट मैच में है।

फर्स्ट क्लास डेब्यू पर उच्चतम स्कोर

रन	खिलाड़ी	वर्ष
341	सकिबुल गनी	2022
267	अजय रोहेरा	2018
260	अमोल मजूमदार	1994
256	बाहिर शाह	2017
240	एरिक मार्क्स	1920

नॉर्वे शतरंज : आनंद और गिरि की बाजी ड्रॉ कार्लसन को बढ़त

स्टैवैंगनर। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के 'क्लासिकल' वर्ग में नीदरलैंड के अनीश गिरी के खिलाफ छठे दौर की बाजी ड्रॉ खेली। इस परिणाम के बाद आनंद 11.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन ने अजरबैजान के शखरियार मामेदयारोव पर जीत दर्ज करके छह दौर के बाद 12.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। आनंद काले मोहरो से खेल रहे थे। इस इंग्लिश वेरिएशन मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। इसके बाद आर्मगेडन (सडन डेथ टाई ब्रेक) में भी दोनों ने 45 चाल तक संघर्ष करने के बाद ड्रॉ खेला। आर्मगेडन के नियमों के अनुसार काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को ड्रॉ होने पर विजेता माना जाता है। पिछले दौर में कार्लसन को हराने वाले 52 वर्षीय आनंद अगले दौर में तैमूर राद्जाबोव से भिड़ेंगे।

अवनी लेखरा ने पैरा वर्ल्ड कप में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन अवनी लेखरा ने मंगलवार को फ्रांस के चेटियारो में पैरा निशानेबाजी विश्व कप की महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में 250.6 अंक के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

बीस साल की अवनी ने 249.6 के अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़कर 2024 पेरिस पैरालंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। पोलैंड की एमीलिया बाबस्का ने 247.6 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि कांस्य पदक स्वीडन की अना नोर्मन के नाम रहा जिन्होंने 225.6 अंक जुटाए। राइफल स्पर्धाओं के एसएच1 वर्ग में वे निशानेबाज हिस्सा लेते हैं जिनके निचले अंगों में विकृति है। अवनी ने ट्वीट किया, 'चेटियारो 2022 की आर2 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक और भारत का पहला पेरिस 2024 कोटा हासिल करने पर गर्व है। पैरालंपिक के बाद मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता। मेरा समर्थन करने वाले सभी को धन्यवाद।' निशानेबाजी पैरा खेल ने ट्वीट किया, 'अवनी लेखरा, आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में नई विश्व रिकॉर्ड धारक। भारतीय निशानेबाज ने चेटियारो 2022 विश्व कप में 250.6 अंक के साथ पिछला रिकॉर्ड (249.6) तोड़ा।'

वनडे रैंकिंग : मिताली सातवें स्थान पर, मंधाना नौवें स्थान पर बरकरार

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारत की अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर और स्मृति मंधाना नौवें स्थान पर बनी हुई हैं।

आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर हैं जिनके बाद इंग्लैंड की नताली स्किवेर का नंबर है। दोनों ने न्यूजीलैंड में हुए महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन 19 पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 35वें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 218 रन बनाए थे। श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू छह पायदान चढ़कर 23वें स्थान पर है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जमाया था। गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर है जबकि दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल दूसरे और आस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन तीसरे स्थान पर हैं।

एशियाई कप क्वालीफायर्स : करिश्माई स्ट्राइकर छेत्री की 80वें गोल पर नजर

कंबोडिया पर बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री की अगुवाई में भारत पांचवीं बार एएफसी एशियाई कप फाइनल्स में जगह बनाने की कवायद में बुधवार को यहां कम रैंकिंग वाले कंबोडिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने की कोशिश करेगा।

छेत्री इस मैच में अपना 80वां गोल करने की कोशिश करेंगे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो (117 गोल) और लियोनेल मेस्सी (86 गोल) दनादन गोल दागे जा रहे हैं। इन दोनों से किसी की तुलना नहीं की जा सकती है लेकिन छेत्री के पास इस टूर्नामेंट में मेस्सी से आगे निकलने का मौका होगा। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में अभी 106वें स्थान पर है जबकि कंबोडिया उससे 65 स्थान नीचे 171वें स्थान पर है। ग्रुप डी में इन दो टीम के अलावा अफगानिस्तान (150) और हांगकांग (147) शामिल हैं। ऐसे में छेत्री के पास गोल करने के मौके होंगे। छेत्री अपने करियर के अवसान पर हैं और एशियाई कप के लिये क्वालीफाई करना इस 37 वर्षीय कप्तान के लिये विशेष होगा। चीन के हटने के कारण अगला एशियाई कप 2023 के आखिर या 2024 में होगा और ऐसे में छेत्री इसे अपने शानदार करियर का 'अंतिम किला' मान सकते हैं। छेत्री ने अपने 126वें मैच से पहले इरादे स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं क्वालीफाई करना चाहता हूं। अगर मैं वहां नहीं रहूंगा, तो मेरा देश होगा। या तो मैं बियर पीते हुए उदांता को दौड़ लगाते हुए देखूंगा या आप बियर पी रहे होंगे और मैं वहां दौड़ूंगा।'

- भारतीय टीम 106वें और कंबोडिया 65 स्थान नीचे 171वें स्थान पर कायम

पिछले तीन मैचों में मिली हार

इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के क्वालीफाईंग मैचों से पहले भारत का प्रदर्शन अनुकूल नहीं रहा। उसने इससे पहले जो तीन अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेले उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं इस बीच उसे इंडियन सुपर लीग की टीम एटीके मोहन बागान से 1-2 से हार मिली जबकि उसने आई लीग ऑल स्टार्स टीम को 2-1 से हराया लेकिन संतोष ट्राफी के उप विजेता बंगाल ने उसे 1-1 से ड्रा पर रोका। भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना आखिरी मैच सात महीने से भी अधिक समय पहले जीता था जब उसने 16 अक्टूबर 2021 को सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में नेपाल को 3-0 से हराया था।

क्रोएशिया ने फ्रांस को 1-1 से बराबरी पर रोका

स्पलिट। मौजूदा चैंपियन फ्रांस नेशन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी शुरुआती हार से उबरने में नाकाम रहा और उसे दूसरे मैच में क्रोएशिया ने 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। मिडफील्डर एड्रियन रैबियोट ने मध्यांतर के बाद फ्रांस को बढ़त दिलाई लेकिन आंद्रे क्रैमारिच ने 83वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर क्रोएशिया को बराबरी दिला दी। यह पिछले 11 वर्षों में पहला मौका है जब क्रोएशिया को फ्रांस से हार का सामना नहीं करना पड़ा। इस परिणाम से किसी भी टीम को फायदा नहीं मिला। फ्रांस को शुक्रवार को पहले मैच में डेनमार्क ने 2-1 से हराया था जो उसकी 20 मैचों के बाद पहली हार थी जबकि क्रोएशिया ने अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रिया से 3-0 से हारकर की थी।

बलिया में लगने जा रहा आस्था का महाकुंभ

दुबहर। स्थानीय क्षेत्र के जनेश्वर मिश्रा सेतु के एप्रोच मार्ग पर भारत के महान मनीषी संत श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज का चातुर्मास व्रत महर्षि भृगु की पावन तपोभूमि व मोक्षदायिनी मां गंगा के पावन तट पर 16 जून से शुरू होने जा रहा है।

उक्त अवसर पर आगामी अक्टूबर माह में विश्व धर्म सम्मेलन व श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भी आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमें विश्व के कोने-कोने से साधु संत व विद्वान धमार्चार्यों का आगमन होगा। यज्ञ स्थल पर 125 यज्ञशाला हैं वह 1008 हवन कुंड के साथ-साथ हजारों लोगों के एक साथ बैठने के लिए भव्य कथा पंडाल व संत विश्राम स्थल का निर्माण कार्य प्रयागराज तथा पश्चिम बंगाल से आए कुशल कारीगरों के द्वारा जोरों पर है।

त्रिदंडी स्वामी के शिष्य व यज्ञ समिति के कोषाध्यक्ष पंडित अश्वनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि श्री स्वामी जी आजीवन गंगा किनारे फूस की झोपड़ी में रहकर सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते रहे ,इन्हें अष्टांग योग में महारत के साथ - साथ अनेक दिव्य अलौकिक शक्तियां प्राप्त थी।

यज्ञ स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं का ध्यान रखते हुए सौ सौ फीट चौड़े दो रास्ते का निर्माण कराया जाएगा तथा पूरे कार्यक्रम स्थल पर वाईफाई वह 24 घंटे बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा अति विशिष्ट लोगों के आगमन को लेकर यज्ञ स्थल के निकट ही हेलीपैड का निर्माण भी कराया जाएगा।

चोरों ने नगदी समेत लाखो के जेवर पर किए हाथ साफ

बैरिया, बलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैजनाथपुर का पुरवा रामपुर टोलामें रविवार की रात चोरों ने एक घर में घुसकर जेवर समेत नगदी लेकर चंपत हो गए,जिसकी लिखित सूचना पीड़ित ने पुलिस को दी है। प्राप्त सूचना के अनुसार शंभू पांडेय का परिवार रविवार की रात खाना खाकर छत पर सोने चला गया।इसी बीच रात में 12 बजे के बाद चोरों ने पीछे से दीवार के सहारे छत पर चढ़कर आंगन में पहुंचकर घर में घुस गए। वहां आलमारी तोड़कर उसमें रखा 6 नाथियां,3 कर्ण फूल,5 मंगलसूत्र, एक जोड़ा पायल,2 अंगूठी, एक लॉकेट,तथा 20हजार रुपए नगदी लेकर चंपत हो गए।घटना की जानकारी पीड़ित परिवार को सुबह जगने के बाद हुई।चोरी की घटना की लिखित तहरीर बैरिया थाने की पुलिस चौकी सुरेमनपुर को दे दी गई है।समाचार लिखे जाने तक घटना स्थल पर पुलिस नही पहुंची थी। ज्ञात हो कि क्षेत्र में आजकल चोरी व छिनैती की घटनाएं बढ़ गई है। विगत 1जून को वहीं रामपुर पुलिया के पास चोरों ने बारात से लौट रहे पिता पुत्र की बाइक, मोबाइल व नगदी लेकर भाग गए।जिसका पर्दा फाश आज तक बैरिया पुलिस नही कर सकी।चोरी व छिनैती की बढ़ती घटनाओं से क्षेत्रीय लोगो में काफी आक्रोश ब्याप्त है ।

अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने पेट्रोल पंम्प पर की हमला

बिल्थरारोड(बलिया)। उभाँव थाना क्षेत्र के अखोप पेट्रोल पंम्प पर कुछ अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने सोमवार की देर शाम लुट के नियत से हमला कर दिया वहां पर मौजूद एक कर्मचारी से मारपीट कर बदमाशों ने बस हजार रुपये की छीन फरार हो गए मिली जानकारी के अनुसार भाजपा नेता बिल्थरारोड नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश कुमार गुप्ता के भतीजे अंशु गुप्ता के नाम से इंडियन आयल पेट्रोल पंम्प संचालित किया जाता है जिस पर सोमवार की देर शाम कुछ एक दर्जन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दी जिसमें एक कर्मचारी कविंद्र यादव को हमला कर नगद बस हजार रुपए छीन लिया और कर्मचारी को मारकर घायल कर दिया । वह मौजूद लोगों सिर्फ तमाशा देखते रहे अज्ञात नकाबपोश के चले जाने के बाद घायल को तुरंत सीयर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिये दाखिल कराया गया।

आटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक अक्षमता तथा बहुदिव्यांगता वाले दिव्यांगों को मिलेगा चिकित्सा सुविधा, कराये पंजीकरण

प्रखर मिजार्पुर। जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश सोनकर ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुये बताया कि नेशनल ट्रस्ट, भारत सरकार द्वारा 04 प्रकार के दिव्यांगजनों (आटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक अक्षमता तथा बहुदिव्यांगता) को किफायती दरों पर स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना संचालित है। इस योजना अंतर्गत सभी उम्र के दिव्यांगजनों को केवल एक प्रीमियम भरकर 01 लाख रुपए तक का बीमा सुरक्षा प्रदान किया जाता है बीमा सुविधा के तहत नियमित चिकित्सा जांच से लेकर अस्पताल में " भर्ती करनी जैसी सेवायें इलाज से लेकर सुधार होने तक की शल्य क्रिया, परिवहन आदि प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत नेशनल ट्रस्ट के तहत जनपद मिजार्पुर के पंजीकृत संगठन मां बलिराजी सेवा संस्था, दूधनाथ रेलवे क्रासिंग, विन्ध्याचल, द्वारा लाभार्थियों का नामांकन प्रक्रिया पूर्ण किया जायेगा। इस योजना का लाभ लिये जाने हेतु उपरोक्त 04 प्रकार के दिव्यांगजनों द्वारा कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, से सम्पर्क कर पंजीकरण कराया जा सकता है। पंजीकृत संगठनों से भी योजना से संबंधित जानकारी व पंजीकरण कार्य कराया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने मोहल्ला डंगहर में भ्रमण कर किया निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने नगर पालिका परिषद के वार्ड/मोहल्ला डंगहर में पैदल भ्रमण कर साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, सड़क आदि व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया तथा विभिन्न लाभार्थियो से वार्ता कर मोहल्लें में सरकारी व्यवस्थाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास शहरी के लाभार्थियो से वार्ता करते हुये आवासो का निरीक्षण किया गया। प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थी सुग्रीव पुत्र शिवलाल के आवास का निरीक्षण किया गया। आवास के बाहर के हिस्से में कुछ प्लास्टर किया गया था तथा शेष पर प्लास्टर का कार्य किया जा रहा था परन्तु मकान के अन्दर कमरे में अभी प्लास्टर नही किया गया। लाभार्थी द्वारा बताया गया कि प्लास्टर का कार्य चल रहा हैं। जिलाधिकारी द्वारा बच्ची लाल पुत्र स्व0 लालचन्द, सुलेख पुत्र सजीवन, शान्ति देवी पत्नी बिहारी लाल, रामा देवी पत्नी केशनाथ सहित कई प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियो से वार्ता कर आवास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई मकानो में आवास के अन्दर प्लास्टर नही पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देशित किया कि 15 दिन के अन्दर सभी अपूर्ण आवासो को पूरा कराये। कुछ आवासो में लाभार्थियो द्वारा प्लास्टर कार्य किया जा रहा था। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि आवासो के लिये नियुक्त सर्वे एजेंसी के द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही हैं। आवासो का सर्वे नही किया जा रहा हैं। उन्होने कहा कि सर्वेयर सभी आवासो का निरीक्षण कर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराये अन्यथा एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियो के शौचालय को भी देखा गया तथा राशन कार्ड के बारे में जानकारी करते हुये राशन मिलने की तिथि व राशन की मात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। पेयजल व्यवस्था के बारे में भी मोहल्लेवासियो से जानकारी प्राप्त की बताया गया कि घरो में कनेक्शन कराया गया है समय से पानी की आपूर्ति की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, परियोजना अधिकारी डूडा प्रतिभा श्रीवास्तव, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मिजार्पुर ओम प्रकाश उपस्थित रहें।

आईटीएम के कामधेनू चेयर के अंतर्गत ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देने हेतु कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रखर गोरखपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एन्ड मैनेजमेंट गीडा, गोरखपुर ने कामधेनु चेयर के अंतर्गत ग्रामीण परिवेश के युवाओ को प्रशिक्षित कर नवाचार के माध्यम से उद्यम एवं रोजगार प्रदान कर स्वावलम्बी बनाने के लिए इंडो -यूरोपियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं स्माल एन्ड मीडियम इंटरप्राइजेज (आईईसीएसएमई) नई दिल्ली के साथ एक करार किया है` इस अवसर पर आईईसीएसएमई के अध्यक्ष श्री विजय तिवारी ने कहा कि कामधेनु चेयर का मुख्य उदेश्य विश्वविद्यालयों, कालेजों के सहयोग से प्रत्येक पंचायतस्तर, ब्लाकस्तर एवं जिला स्तर पर सीईओ एवं वीआईआईपी (विलेज इनक्लूसिव इन्वेस्टमेंट प्लानर)को तैयार करना है, पंचायती राज एवं रूरल डवैलपमैंट के 29 सूत्रीय क्रायों को समन्वयित करके, वहाँ के क्षेत्रीय नवाचार का सृजन करना एवं उसके माध्यम से ग्रामीण युवाओ को रोजगार प्रदान करना हैं ` इस कामधेनु चेयर कि स्थापना ग्रामीण परिवेश पर आधारित पाठयक्रम का व्यावहारिक रूप से अध्ययन कराना है ताकि छात्र को कामधेनु चेयर के द्वारा नवाचार व शोध क्षेत्र में सरकारी व गैर

सरकारी संस्थानों द्वारा लाभान्वित किया जा सके। प्रत्येक जिले की अपनी विशेषता है जिसे नवाचार एवं अनुसंधान के साथ जोड़कर स्वरोजगार तथा आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से संवारा जा सकता है इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह ने कहा कि इस करार से संस्थान के छात्रों को प्रबंधन के सीखे हुए गुणों को वास्तविक रूप से क्रियान्वित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा यह करार पुरे उत्तरप्रदेश के लगभग साठ हजार गाँवो मे स्थित कम से कम एक शैक्षिणिक संस्था के छात्रों को भी प्रशिक्षित कर भारतीय अर्थव्यस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने मे सहयोग करेंगी। उक्त के क्रम मे संस्थान मे आईईसीएसएमई-आईटीएम एन्ट्रप्रेन्योरशिप क्लब (ई - क्लब) का गठन किया गया` इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष नीरज मातनहेलिया, सचिव श्यामबिहारी अग्रवाल,कोषाध्यक्ष निकुंज मातनहेलिया, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल, श्री मनोज कुमार सिंह, सचिव, आई सी एस एम ई, श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर सिंघल ,महासचिव आईईसीएसएमई, फामेर्सी निदेशक पी डी पांडा,प्रो. नरेन्द्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के तहत पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार

दुबहर। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अपराध उन्मूलन एवं अपराधियों, उपद्रवियों,एवं हुड़दंगीयों के गिरफ्तारी हेतु सख्त सघन अभियान के तहत मंगलवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम- चन्दवक से पुलिस ने 09 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभी तो का नाम मनोज पासवान पुत्र स्व.मंगलदेव पासवान,विशाल पुत्र रामनाथ, शैल कुमारी पत्नी स्व. मंगलदेव पासवान, रामपति राजभर पुत्र स्व. सामलाल,उर्मिला देवी पत्नी मुन्ना राजभर, सावित्रि देवी पत्नी जनार्दन राजभर, फुलवन्ती पत्नी मनु राजभर,शिवकुमारी पत्नी राम राजभर,भगमनी पत्नी शिवकुमार राजभर को समय करीब 1:00 बजे दिन में शान्ति व्यवस्था भंग व हुड़दंग मचाने के कारण दुबहड़ पुलिस फोर्स द्वारा गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारशुदा हुड़दंगी व्यक्तियो के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए उसका चालान धारा 151/107/116 में कर मा.न्यायालय उपजिला मजिस्ट्रेट सदर बलिया भेज दिया गया।

राज्यमंत्री श्रम कल्याण परिषद के साथ आईजीएल के बिजनेस हेड व उपश्रमायुक्त ने दिखाई 'श्रवण कुमार श्रमिक परिवार तीर्थ यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर किया अयोध्या रवाना

प्रखर गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगिआदित्यनाथ जी के अनुप्रेरणा से शुरू हुई श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा को आज आईजीएल के श्रमिकों को उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम राज्यमंत्री व अध्यक्ष श्रम कल्याण बोर्ड श्री सुनील भराला जी बिजनेस हेड एस के शुक्ल के साथ विशिष्ट अतिथि उपश्रमायुक्त श्री अमित कुमार मिश्रा ने अयोध्या दर्शन हेतु श्रमिको को रवाना किया तथा बताया कि यह यात्रा पूर्वांचल की पहली श्रमिक तीर्थ यात्रा है और इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड श्री एस के शुक्ल के नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में आज 52 श्रमिको को सपरिवार अयोध्या नगरी के लिए रवाना किया गया है और इस यात्रा को आज शुरूआत करने के लिए उपश्रमायुक्त द्वारा एस के शुक्ल को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। तथा आज के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रम राज्यमंत्री पंडित सुनील भराला जी के साथ विशिष्ट अतिथि उपश्रमायुक्त अमित कुमार मिश्र तथा बिजनेस हेड एस के शुक्ल थे। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत बुके,श्री रामचरितमानस तथा अंगवस्त्र सप्रेम भेंट कर स्वागत किया गया और विशिष्ट अतिथि उपश्रमायुक्त को भी अंगवस्त्र और बुके सप्रेम भेट कर स्वागत किया गया तथा आईजीएल के बिजनेस हेड श्री एस के शुक्ल को श्रम राज्यमंत्री श्री सुनील भराला जी द्वारा उनके व्यक्तित्व के अनुसार ऊन्हे रामायण की पुस्तक भेट स्वरूप प्रदान किया गया। श्री एस के शुक्ल ने राज्य सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना की जमकर सराहना करते हुए बताया की इससे पूरे प्रदेश औ? देश मे श्रमिको के लिए यूपी सरकार का अदभुत एवं अनोखा उपहार साबित होगा, वही राज्यमंत्री श्री सुनील भराला जी ने प्रदेश सरकार की तमाम श्रमिक योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए बताया की जिस श्रमिक की बेटी की शादी पिछले तीन महीनों में हुई हो या होने वाली हो और उस श्रमिक की आय पंद्रह हजार से कम हो तो उस श्रमिक के बेटी की शादी में सरकार द्वारा पच्चास हजार की राशि दिया जाएगा और जिसका बेटा बेटी खेल में जा रहा है या अच्छा खेल रहा है तो राज्य सरकार द्वारा उसको उसके खेल के अनुसार सामग्री प्रदान किया जाएगा और एस के शुक्ल से आह्ववान किया कि आप इन योजनाओं की जानकारी उत्तर प्रदेश डिस्टलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष होने के नाते समस्त

आसवनीयो में भी साझा करें, जिससे अधिक से अधिक श्रमिको को इसका लाभ प्राप्त हो सके। और कहा कि जिस देश मे श्रवण कुमार जैसे युगपुरुष अपने माता पिता के सेवक हों जिन्होंने अंधे माँ बाप को कांवर में बैठा कर भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों का भ्रमण कराया था हम उस महान देवदूत को नमन करते है और हमारी सरकार ने इस योजना का नाम उन्ही के नाम पर देकर जहां एक शानदार सन्देश दिया वहीं गरीब श्रमिको को इस योजना का लाभ देकर पुनीत कार्य करने का अवसर भी प्राप्त किया है , आईजीजीएल के बिजनेस हेड ने पीएम आदरणीय मोदी जी व सीएम आदरणीय योगी जी को ह्रदय से धन्यवाद देते हुए राज्यमंत्री को आश्वस्त किया कि गीडा सहित पुर्वांचल के उद्यमियों से आग्रह करूंगा कि वो लोग भी अपने यहां कार्यरत श्रमिको को इस योजना का लाभ अवश्य दिलाएं।मुख्य अतिथि श्रमिक बोर्ड के अध्यक्ष माननीय सुनील भराल जी ने आइंजीएल द्वारा इस योजना का लाभ पूरे पुर्वांचल में पहली बार उत्साह व सेवा भाव से शुरू करने के लिए एस के शुक्ल की जमकर तारीफ की । माननीय मंत्री ने आज ही आईजीएल परिसर में लगे राज्य कर्मचारी बीमा निगम द्वारा विशाल स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते हुए श्रमिको के प्रति आईजीएल के सेवा भाव को जनसेवा का पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि गोरखपुर के उद्यमियों कोआईजीएल से सीख लेनी चाहिए। प्रबन्धक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार के प्रयासों को माननीय राज्यमंत्री व उपश्रमायुक्त द्वारा काफी सराहा गया और डॉ सुनील कुमार मिश्रा द्वारा सभी के प्रति आभार प्रगट किया गया और दूसरी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मानन्द सिंह ने सफल मंचसंचालन किया।उक्त अवसर उप श्रमायुक्त ,सहायक उपश्रमायुक्त, आईजीएल के प्लान्ट मैनेजर एपी मिश्रा ,श्रीनिवास दुसि ,अखिलेश शुक्ल, लाखन त्रिवेदी, अमित पांडेय , मनीष पंत, प्रशांत सिंह, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।तथा राज्यमंत्री महोदय के साथ मे आये अन्य सभी सम्मानित लोगों को भी आईजीएल के पदाधिकारियों द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक में लदे 07.60 कुन्टल अवैध गांजा बरामद दो तस्कर गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थानाध्यक्ष पड़री अपने हमराह पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे कि मुखबीर के सूचना के आधार पर मोहनपुर पहाड़ी तिराहा थाना पड़री एक ट्रक MP13 H 0974 को रोका गया तो 02 व्यक्ति मौजूद थे । ट्रक चालक द्वारा ट्रक रोकने पर दोनों उतर कर भागने का प्रयास कियें परन्तु पुलिस द्वारा घेर घार कर पकड़ लिया गया । दोनों अभियुक्तों स नाम पता पुछने पर अभियुक्तगण 1. गोविन्द पुत्र भुवानीराम नि0 मेहताखेड़ी थाना बड़वाह जनपद खरगोन मध्य प्रदेश, 2. जमील खां पुत्र बाबू खां नि0 सनावद थाना सनावद जनपद खरगोन मध्य प्रदेश बतायें जिनकों हिरासत में लिया गया । पुलिस टीम द्वारा ट्रक संख्या MP13 H0974 की तलासी सें 07.60 कुन्टल अवैध गांजा बरामद की गयी । जिसके सम्बन्ध में थाना पड़री पर एनडीपीएस एक्ट अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को न्यायालय/जेल भेजा गया।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में युवक को भेजा गया जेल

प्रखर अहरौरा,मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के साथ शादी करने का झांसा देकर मिजार्पुर निवासी युवक दस वर्षों से यौन शोषण कर रहा था महिला जब शादी करने का दबाव बनाती थी तो वह बहाने बाजी कर मुकर जाता था धीरे धीरे दोनो के शारीरिक सबन्ध के चलते महिला को पुत्र की प्राप्ति हो गई फिर भी दोनो मांगलिक सूत्र में नही बंधे इसी बीच दोनो के बीच अनबन हो गई महिला युवक पर शादी करने का दबाव बनाने लगी जब युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया तो महिला न्यायालय की शरण मे चली गई 156/3 के तहत मुकदमा दर्ज कराने के लिए न्यायालय में गुहार लगाई न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना करते हुए मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी लक्ष्मी प्रसाद शर्मा पुत्र आद्या प्रसाद शर्मा निवासी साधु वाड़ा की गली वासलीगंज थाना कोतवाली शहर को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया।

समर स्कूल का दूसरा दिवस

प्रखर डेस्क। राजनीति विज्ञान विभाग, ईश्वर शरण पीजी कॉलेज प्रयागराज में समर स्कूल का दूसरा दिवस 8 जून 2022 को विभाग के 8 छात्रों का अध्यायीकरण का कार्य राजनीति विभाग के संयोजक डॉक्टर शिवहर्ष सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। डॉक्टर शिव हर्ष सिंह ने आज के समर स्कूल में शोध प्रबंध के अध्याय को किस प्रकार स्वरूप प्रदान किया जाए। इस संदर्भ में शोध छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए डा शिव हर्ष सिंह ने प्रस्तावित किया कि सर्वप्रथम शोध शीर्षक की स्पष्टता नितांत अनिवार्य होती है। शोध अध्येता अपने शोध प्रबंध को निष्कर्ष की ओर गतिशील तभी बना सकता है जब वह अपने शोध शीर्षक को कार्य -कारण संबंधों पर आधारित, विशद व्याख्या करने में समर्थ होता है। आज की कार्यशाला पूर्ण रुप से सफल रही। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अखिलेश त्रिपाठी एवं विशेष उपस्थिति डॉ विवेक राय की रही।

देश के पांच लाख तीस हजार राशन डीलरो का एक कमीशन लागू किया जाय : विश्वभर बासु

प्रखर दिल्ली। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन की बैठक दिल्ली में मुख्यधारा एंपोरियम में हुई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ओमकार नाथ झा जी ने किया। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव विशम्भर बासु जी ने कहां कि जब केन्द्र सरकार वन नेशन वन कार्ड लागू किया है। तो देश के 5=30हजार राशन डीलरो का कमीशन भी एक होना चाहिए। केन्द्र सरकार ने इसस ामय 20 कुन्तल की वृद्धि की है। जिससे राशन डीलर संतुष्ट नहीं हैं। इसपर सरकार विचार नहीं किया तो आगामी मानसून सत्र में 2अगस्त को संसद का घेराव किया जायेगा।सभी राज्यों के अध्यक्षों को कहा गया कि वह अपने अपने प्रदेश में इसकी तैयारी करें। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रह्लाद मोदी कोषाध्यक्ष कृष्णमूर्ति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश तिवारी अशोक सिंह राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी छत्तीसगढ़ अध्यक्ष रामदेव सिंन्हा महिला अध्यक्ष लक्ष्मी शीशपाल गोधरा महानन्द झा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार गर्ग महाराष्ट्र से पाटिल राजेश उत्तर प्रदेश उपाध्याय सुनील गुप्ता बबिता जिन्दल लक्ष्मी कान्त पाण्डेय संदीप मिश्रा तथा 19 प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद थे।

गंगा में युवक ने लगाया छलांग

नरहीं। उजियार गंगा घाट पर गंगा में युवक ने छलांग लगाया फिर उसका शव ही बाहर निकला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के उजियार गांव निवासी विपिन उपाध्याय 25 वर्ष पुत्र कृपाशंकर उपाध्याय दोपहर अपने गांव के सामने गंगा नदी में स्नान करने गया गंगा तट पर खड़ी एक नाव पर चढ़ गया गंगा में छलांग लगा दिया फिर वह बाहर नहीं आया इसके साथ गंगा में स्नान करने वाले लड़कों ने इसकी सूचना घर को दिया फिर गंगा तट पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई पुलिस ने गोताखोरों के मदद से शाम को शव को बाहर निकाला।

लूट की मोटरसाइकिल संग इनामिया अपराधी गिरफ्तार

पुलिस एसओजी सर्विलांस की बड़ी कामयाबी

प्रखर जखनियां गाजीपुर। सादात थाना पुलिस व एसओजी तथा सर्विलान्स की संयुक्त टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए ? 25,000 के वांछित /ईनामियां अभियुक्त को लूट की मोटरसाइकिल के साथ धर दबोचा। अभियुक्त सुनील कुमार राम उर्फ सिपाही पुत्र नन्दलाल राम ग्राम बघांव देईपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर का निवासी और हिस्ट्रीशीटर अपराधी है जिसपर सोलह अपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। बताया गया कि वांछित/ईनामियां अभियुक्तों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष मय हमराह क्षेत्र में थे। बजरिये दूरभाष पता चला कि सर्विलान्स टीम तथा थाना सादात की अन्य टीम भी क्षेत्र में अपराधियों की सुरागरसी में मौजूद है। उसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लुटेरे व अपराधी खिदिरगंज जाने वाली नहर पटरी पर महुरसा ग्राम सभा के अन्तर्गत दिलीपराय पट्टी जाने वाले मोड़ पर मौजूद हैं। वे सोने चांदी के डील के लिए पार्टी के इंतजार में हैं। उक्त सूचना पर सभी टीमों ने वार्ता की और सतर्कता बरतते हुए वहां पहुंच कर घेराबंदी कर मौके से पांच अभियुक्तों को अपनी गिरफ्त में ले लिया। पुलिस टीम ने सादात से गत 30 दिसम्बर को लूटी गयी मोटरसाइकिल के साथ अभियुक्त सुनील कुमार राम उर्फ सिपाही पुत्र नन्दलाल राम ग्राम बघांव देईपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर को दबोचा और उसके अन्य सहयोगी रामलखन राम पुत्र फुलचन्द राम ग्राम महुरसा थाना सादात जनपद गाजीपुर, जीउत उर्फ अवनी वर्मा पुत्र स्व. मोती लाल, ग्राम उन्दी, थाना शिवपुर जनपद वाराणसी, राजेश कुमार कश्यप पुत्र मुनेश्वर कश्यप ग्राम बुडौली, थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर तथा सत्यनारायण मौर्य पुत्र रामआसरे मौर्य ग्राम कबुतरा, थाना तरवाँ जनपद आजमगढ़ से छह पीली धातु का बिस्किट व एक टुकड़ा सफेद धातु का टुकड़ा व चार सफेद धातु का राड व चार देशी तमंचा .315 बोर मय दो जिन्दा कारतूस .315 बोर के ग्राम मखदूमपुर से बरामद कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने अपने कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि ये लोगों को धोखा देकर सोना चांदी बेंचते थे। ये लोग पहले पार्टी को असली सोने चांदी दिखाकर डील करते थे और फिर उसे नकली सोना चांदी बेंच देते थे। उसी कारर्वाई के दौरान उनका साथी सत्यनारायण मौर्य जो होमगार्ड है अचानक वहां पहुंच जाता और पार्टी पुलिस को आया देख मौके से भाग निकलती थी। गिरफ्तारी में शामिल टीम में प्रवीण यादव थानाध्यक्ष सादात, शशिचन्द चौधरी प्रभारी सर्विलांस, राकेश सिंह प्रभारी स्वाट, उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार यादव व राजेश कुमार गिरी,मुख्य आरक्षी अशोक कुमार तथा आरक्षी जिलाजीत वर्मा, अंकित कुमार, मुख्य आरक्षी सतेन्द्र यादव व रामराज सरोज और आरक्षी दिलीप कुमार, अतुल सिंह,श्यामधर, अजय कुमार व सतीस कुमार (एसोजी टीम)और आरक्षी द्वय सुरज व संजय कुमार (सर्विलांस टीम) शामिल रहे।

45 दिवसीय निःशुल्क सूर्यमित्र प्रशिक्षण के लिए ईमेल आईडी से सम्पर्क कर अपना कराये रजिस्ट्रेशन

बलिया। वरिष्ठ परियोजना अधिकारी यूपीनेडा ने बताया है कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल से आईटीआई/ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की शैक्षिक योग्यता रखने वाले अभ्यार्थियों को 45 दिवसीय पूर्ण आवासीय एवं निःशुल्क सूर्यमित्र प्रशिक्षण दिये जाने की योजना संचालित है। कौशल विकास मिशन योजनान्तर्गत 45 दिवसीय सूर्यमित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन यूपीनेडा प्रशिक्षण केंद्र चिनहट लखनऊ में किया जा रहा है। उक्त 45 दिवसीय प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत प्रशिक्षुको को देश की विभिन्न सौर ऊर्जा कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं तथा प्रशिक्षार्थी अपना स्वरोजगार भी कर सकते हैं। आवेदकों की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षण हेतु प्रतिभाग करने के लिए इच्छुक प्रशिक्षार्थी, मोबाइल व वाट्सअप नम्बर-8004949089 एवं ईमेल आईडी hochinhat@ rediff-mail.com पर सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत वित्तीय वर्ष में कुल 06 बैच, जिसमें (6गुणे27) कुल 162 प्रतिभागियों को चयन कर प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। प्रथम बैच माह जून, 2022 से प्रारंभ किया जाना संभावित है।

संक्षिप्त खबरें

पीस कमेटी के मीटिंग में बैठे दरोगा का झपकी लेने का फोटो वायरल

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाने पर तैनात एक दरोगा का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल फोटो चोलापुर थाने का बताया जा रहा है। बतादे कि मंगलवार को थाने का त्रैमासिक निरीक्षण करने के लिए सीओ पिंडरा अभिषेक पांडे पहुंचे हुए थे। थाने पर सभी धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी का मीटिंग भी आयोजित किया गया था। पीस कमेटी के बैठक में सीओ पिंडरा,एसएचओ चोलापुर सहित थाना क्षेत्र के सारे चौकी इंचार्ज व थाने पर नियुक्त पुलिस कर्मी बैठक में शामिल थे। पीस कमेटी के बैठक का एक फोटो थाने के सीयूजी नंबर से डाला गया। वायरल फोटो जिसमे साफ तौर पर दिखाई दे रहा था कि पीस कमेटी के बैठक में सीओ और एसएचओ के सामने एक दरोगा झपकी ले रहा है। जिसका फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। झपकी लेने वाले दरोगा का नाम कुलदीप मिश्रा बताया जा रहा है जो चोलापुर थाने के गोसाईपुर चौकी पर प्रभारी के रूप में नियुक्त बताए जा रहे है। बरहाल वायरल फोटो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रामा सेंटर - सामने घाट मुख्य मार्ग पर अत्यधिक उड़ता धूल राहगीरों को हो रही परेशानी - अमन यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ट्रामा सेंटर- सामने घाट मुख्य मार्ग सड़क मरम्मत का कार्य चल रहा है बहुत ही धीमी गति से लगभग 20-25 दिनों से जिस कारण अत्यधिक धूल उड़ रहे हैं दुकानदारों का दुकानदारी चौपट रोड पर चलना दुश्वार क्षेत्रीय नागरिकों को सांस लेने में परेशानी के समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है शुरूआती दौर में सुबह शाम कुछ दिन पानी का छिड़काव किया गया उसके बाद बिल्कुल बंद जो भी विभागीय कार्य कर रहा है बहुत ही धीमी गति से लापरवाही के साथ शिकायत करने के बावजूद पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है पीडब्ल्यूडी आंखें बंद करके सो रही है अमन यादव ने बताया की जिलाधिकारी महोदय से मीडिया के माध्यम से निवेदन करते हैं इस रोड पर जब तक निर्माण कार्य चल रहे हैं सुबह ,दोपहर, शाम पानी का छिड़काव अवश्य कराएं।

उ0प्र0 के हैंडलूम कारीगरी का सालाना स्टेट अवार्ड में वाराणसी के नसीम अहमद को मिला प्रथम स्थान का अवार्ड

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लखनऊ के नविन भवन में आयोजित सालाना स्टेट एवार्ड के इस कार्यक्रम में वस्त मंत्री राकेश सचान के हाथो उ0प्र0 के हैंडलूम कारीगरी का सालाना स्टेट अवार्ड पुरे उ0प्र0 के 12 लोगो को मिला जिसमे प्रथम स्थान का अवार्ड वाराणसी के जलालीपुरा निवासी नसीम अहमद को मिला ये अवार्ड जामदानी दुपट्टा बनाने पर नसीम अहमद को मिला । नसीम अहमद को ये अवार्ड मिलने पर जलालिपूरा के पार्षद हाजी ओकास अंसारी ने कहा की आज जो ये स्टेट अवार्ड नसीम अहमद को मिला है वो भी पुरे उ0 प्र0 में प्रथम अवार्ड जो स्टेट एवार्ड के नाम से जाना जाता है ये एवार्ड पा कर नसीम अहमद ने पुरे बनारस वासियो का मान सम्मान बढ़ाया ये और इनका पूरा परिवार बनारसी साडी की कला को पुरे देश और विदेश में पंहुचा रहे है हमें खुसी है की मेरे वार्ड के रहने वाले वसीम अहमद और उनका पूरा परिवार बनारसी साड़ी की प्राचीन परम्परा को आगे बढ़ा रहे है।

बैंक फ्राड करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थाना को0कटरा पुलिस द्वारा बैंक फ्राड करने वाला शातिर 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । दिनांक 03.07.2021 को थाना को0कटरा अन्तर्गत निवासी जय प्रकाश केशरी पुत्र सूरज प्रसाद केशरी द्वारा थाना स्थानीय पर नामजद अभियुक्त आशीष सिंह पुत्र स्व0 विरेन्द्र सिंह निवासी तेलियागंज थाना को0कटरा व अन्य के विरूद्ध फर्जी बैंक खाता खुलवाकर शातिर तरीके से भारी रकम का लेनदेन कर फ्राड किया गया था जिसके सम्बन्ध मे अभियोग पंजीकृत कराया गया था । आज दिनांक 08.07.2022 को उ0नि0 संजय कुमार चौकी प्रभारी डंकीनगंज थाना को0कटरा मय हमराह द्वारा राणाप्रताप जुनियर हाई स्कुल गेट के पास से अभियुक्त आशीष सिंह पुत्र स्व0 विरेन्द्र कुमार सिंह निवासी तेलियागंज थाना को0कटरा को गिरफ्तार कर न्यायालय/जेल भेजा गया । गिरफ्तार अभियुक्त से पुछने पर बताया कि मेरे द्वारा वादी जय प्रकाश केशरी के नाम से गलत तरीके से खाता खुलवाकर पैसा जमाकर के अन्य बैंको मे पैसे का आदान प्रदान किया गया।

धानापुर थाना में फीस कमेटी की बैठक की गई

प्रखर चंदौली। जिला के धानापुर क्षेत्र से है जहां लाउडस्पीकर को लेकर के धानापुर थाना में पीस कमेटी की बैठक की गई जिसमें धानापुर कस्बा के मानिन्द व्यक्ति को बुलाया गया था और उनके साथ बैठक की गई जिसमें धानापुर थाना के एसएचओ विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि हाई कोर्ट का जो आदेश है उसके नियमों का सभी लोग पालन करें और मन्दिर मस्जिद की छत पे कोई भी लाउडस्पीकर नहीं लगाएगा कुछ मानिन्द व्यक्ति ने दानापुर थाना एसएचओ से कुछ जवाब सवाल भी किए तो धानापुर थाना एसएचओ ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश भी किसी को लाउडस्पीकर लगाना है तो घर में लगाए और उसकी ध्वनि एकदम कम करके अपना नमाज अदा करे .जिससे कि हाई कोर्ट के आदेश का पालन हो सके .और धानापुर कस्बा के मानिंद व्यक्तियों ने बताया कि सुबह के 3 बजे धानापुर बस स्टेंड पे बस वालों ने हारन बहुत तेज बजाते हैं और हर 5 मिनट में बजाते हैं जिससे कि वहां रहनेवाले कस्बावासियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है तो धानापुर एसएचओ ने बताया कि उन पर भी अंकुश लगाया जाएगा और उनको हम नोटिस भेजेंगे क्यों हारन न बजाय .और सभी मानिंद व्यक्ति ने दानापुर थाना एसएचओ को आश्वासन दिया कि हाई कोर्ट के आदेश का पालन करूंगा .इसी के साथ पीस कमेटी की मीटिंग खत्म हुई .पीस कमेटी की मीटिंग में थाना धानापुरी एसएचओ विनय प्रकाश सिंह रामधनी सिंह मौजूद रहे।

इरशाद अहमद अंसारी ने वाटर कलर से लैण्डस्केप पेन्टिंग बनाकर डिमोस्ट्रेशन दिए

बलिया। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से शहर के टाउन इण्टर कॉलेज,बलिया में चल रहे ग्रीष्म कालीन चित्रकला कार्यशाला में प्रशिक्षण के दुसरे दिन आई.आई. टी.मुंबई से मास्टर ऑफ डिजाइन कर-के एक बड़ी प्रतिष्ठित कम्पनी में नौकरी करने वाले इरशाद अहमद अंसारी ने वाटर कलर से लैण्डस्केप पेन्टिंग बनाकर डिमोस्ट्रेशन दिए ' उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राओं के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए टाउन इंटर कॉलेज की मुख्य भवन को सामने से शानदर पेन्टिंग बनाकर दिखाए,जिसको देखकर बच्चे आश्चर्यचकित हो गए ' इरशाद ने अपने ब्याख्यान के दौरान बच्चों के सवाल के जवाब में बताये कि आई आई टी में केवल इंजीनियरिंग ही नहीं बल्कि डिजाइनिंग की बैचलर और मास्टर डिग्री की पढ़ाई होती है और? कला के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है ' इनके कला गुरु डॉ.इफ्तेखार खान ने बताया की इरशाद ने जी.आई.सी.से इण्टर के बाद जामिया मिलिया दिल्ली से बी.एफ.ए.और आई आई टी मुंबई से एम.डेज किये है ' डॉ?.खान ने बताया कि बच्चों और गार्जियन को कला के क्षेत्र में कैरियर के बारे में जागरूक करना जरूरी है और ललित कला अकादमी का ग्रीष्म कालीन चित्रकला का यही उद्देश्य भी है ' बलिया की प्रतिभाएं लगातार कला के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कम्पनियो, संस्थानों में कार्य करते हुए देश में अपना योगदान दे रहे है ' जामिया मिलिया दिल्ली के फाइन आर्ट के मु.कैफ खान, कला अध्यापिका सुरभि पांडेय, गुलनाज ने छात्रों को प्राकृतिक दृश्य चित्रण में अभ्यास कराया ' कार्यशाला प्रातः 8 बजे से 11बजे तक प्रतिदिन चल रहा है ' कोई भी छात्र-छात्रा पंजीकरण कराकर प्रशिक्षण ले सकता है।

29 राशि गौ वध को ले जा रहे 3 पशु तस्कर गिरफ्तार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग के खप्पर बाबा आश्रम मोड़ के पास रात्रि वाहन चेकिंग के दौरान प्राप्त सूचना के बाद अहरौरा थाना प्रभारी संजय सिंह को मिली जिससे तुरंत हरकत में आके संजय सिंह ने मय हमराह के साथ तीनों अभियुक्त को घेरा बंदी कर-के पकड़ लिया जंगल के रास्ते 29पशु को जो कि वध के लिए जा रहे थे तभी तभी संजय सिंह को सूचना मिली कि सारे पशु को गाड़ी पे लादने की कार्यवाही होने वाली है तभी घेरा बंदी कर तीनों अभियुक्तों को पकड़ लिया गया कड़ी पूछताछ के बाद पता चला कि सारे पशु को बिहार प्रांत ले जाने के फिराक में थे थाना प्रभारी संजय सिंह ने सभी पशु को पशु आश्रय में सुपुर्द किए तीनों आरोपी क्रमशः हरिओम गौड़ पुत्र लालमन उम्र 22वर्ष निवासी मड़िहान , बेचू चौहान पुत्र प्रभु 38अमृतपुर नौगढ़ चंदौली ,बृजेश चौहान पुत्र शंकर व दो गाड़ी चालक दूध नाथ चौहान निवासी चुनार मिजार्पुर , बल्लू नट निवासी बड़ा गंव थाना चंद भभुआ बिहार उम्र 30वर्ष को पशु क्रूरता अधिनियम 3/8 मुकदमा संख्या 99(2022/में अंकित कर जेल भेज दिया गया थाना प्रभारी संजय सिंह के साथ सचिन मौर्य ,सीता राम ,राजेन्द्र कुमार कृष्ण मोहन राय, अनूप सिंह ,शुशील सिंह आशीष कुमार व उप निरीक्षक कमलेश कुमार साथ रहे।

ट्रांसफार्मर जलने से एक सप्ताह से अंधेरे में रहने को दर्जनों गांव मजबूर

बैरिया (बलिया)। स्थानीय तहसील अंतर्गत रानीगंज बाजार में पूरब फाटक पर लगा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर जलने के 72 घंटे बाद भी नहीं बदला जा सका है। इस भीषण गर्मी में लोग परेशान हैं। पानी के लिए हाय तौबा मचा है। बता दें कि रानीगंज बाजार में पूरब फाटक पर लगे ट्रांसफार्मर से चेताछपरा, रानीगंज पूरब फाटक, पसरहट्टा, अनाज पट्टी, रानीगंज चौक, गुड़ हट्टी, सुनार पट्टी, चावल पट्टी, देवकी छपरा आदि गांवों के विद्युत आपूर्ति होती है। पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर मे गड़बड़ी चल रही थी। शुक्रवार को अंततः ट्रांसफार्मर जल गया। बाजार वासियों को उम्मीद थी कि नियमानुसार 24 घंटे के अंदर दूसरा ट्रांसफार्मर लग जाएगा। लेकिन ट्रांसफार्मर अब तक नहीं बदला गया है। इस भयंकर गर्मी में लोग परेशान होकर रह गए हैं। रात भर लोग सड़क पर टहल रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या बाजार क्षेत्र में पेयजल को लेकर है।

कर्तव्यनिष्ठ इमानदार डीएम विजय किरन आनंद का हुआ तबादला

कृष्णा करुणेश को गोरखपुर बनाया गया डीएम

प्रखर गोरखपुर। शासन ने तेजतर्रार कर्तव्यनिष्ठ इमानदार आईएएस अधिकारी विजय किरण आनंद का तबादला महानिदेशक बेसिक शिक्षा व अतिरिक्त प्रभार कुंभ बनाया गया जिलाधिकारी विजय किरन आनंद प्रतिदिन अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जीरो टालेन्स पर काम करने के जनपद के कर्मचारियों में आदत डाल रहे थे और कर्मचारी भी बखूबी अपना कार्य कुशलतापूर्वक जवान कर रहे थे लेकिन शासन ने 21 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया उस सूची में जिलाधिकारी विजय किरन आनंद भी सम्मिलित रहे ईमानदारी से कार्य करने वाला ईमानदार अफसर कभी भी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक सकता क्योंकि ईमानदार अधिकारियों के पीछे गलत काम करने वाले एक साथ लग जाते हैं कैसे इस ईमानदार अधिकारी का तबादला कराया जाए और आज वह लोग अपने मकसद में कामयाब हुए क्योंकि इससे पहले भी तीन बार अफवाहें उड़ाई गई थी कि जिलाधिकारी विजय किरन आनंद का तबादला हो गया लेकिन तब हवा हवाई था आज शासन ने महानिदेशक बेसिक शिक्षा के पद पर भेज दिया और उन लोगों की उम्मीदों पर शासन ने पानी फेर दिया विजय किरन आनंद ईमानदारी के साथ शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं को प्रगति के पथ पर ले जाने का कार्य कर रहे थे विजय किरन आनंद के स्थान पर शासन ने कृष्णा करुणेश को गोरखपुर का जिलाधिकारी बनाया है अब देखना है कि जिलाधिकारी विजय किरन आनंद जिस कर्तव्य निष्ठा के साथ गोरखपुर जनपद को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य कर रहे थे उनके कार्यों को आगे नए जिलाधिकारी बढ़ाने का कार्य कर रहे या नहीं वह तो समय बताएगा लेकिन विजय किरन आनंद को जनपद का हर अधिकारी कर्मचारी व जनता जरुर याद करेगा।

नगर के महुली चौराहे, मेंहदीपुर चौराहे चला बुलडोजर, हटाया गया अतिक्रमण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर पालिका क्षेत्र में आज बुधवार को बुलडोजर चला और महुली चौराहे पे व मेंहदीपुर चौराहे पर लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को नगर पालिका ने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों के साथ पहुंचकर हटवाया इस दौरान भारी संख्या में भीड़ वहां जुटी रही । सूबे के मुख्यमंत्री द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में नगर पालिका क्षेत्र अहरौरा में भी अतिक्रमण किए गए लोगों के अतिक्रमण को चिन्हित करने एवं स्वयं अतिक्रमण हटा लेने के सार्वजनिक घोषणा के बाद भी अतिक्रमण न हटाए जाने पर शनिवार को नगर के मेंहदीपुर व महुली चौराहे पर अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत की गई । इस अवसर पर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी के साथ थाना प्रभारी संजय सिंह मय फोर्स एवं नायब तहसीलदार अरुण कुमार राजस्व निरीक्षक संजीव कुमार ,विनोद यादव , लेखपाल अमरेश सिंह ,विनोद कुमार यादव, बाबूलाल सहित नगर पालिका के कर्मचारी चकिया तिराहे पर मौजूद रहे । इस अवसर पर बुलडोजर से लोगों द्वारा नालियों पर चबूतरा बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया इस दौरान भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही ।

आखिर कब हटेगा चुनार चौराहे पर नगर पालिका द्वारा किया गया अतिक्रमण– अतिक्रमण हटाओ अभियान मे एक बात चर्चा का विषय बना रहा कि चुनार चौराहे पर अहरौरा मेन कैनाल के किनारे नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण करके सामुदायिक शौचालय एवं प्रतीक्षालय का निर्माण कराया गया है । आखिर वह अतिक्रमण है कि नहीं है अगर अतिक्रमण है तो वह कब हटेगा इस संबंध में अधिशासी अधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि नगरपालिका ने चुनार चौराहे पर अहरौरा मैन कैनल के किनारे जो निर्माण कार्य कराया है उसका सिंचाई विभाग से नो ड्यूज लिया है । वर्जन अधिशाषी अधिकारी ,महुली चौराहे पे २ँ 5पे रोड के पटरी पे लोग दुकान का चबूतरा बनाए है जिसके वजह से आए दिन दुर्घटना हो सकती है जिसके लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान में इसको पटरी से अतिक्रमण मुक्त किया गया व दंड स्वरूप लोगो से जूर्मना भी वसूला गया इसके पश्चात आशा है कि लोग अतिक्रमण नहीं करेंगे ।

बारात से वापस आ रहे युवक को बोलेरो सवार ने चाकू घोप कर किया लहूलुहान

प्रखर गोरखपुर। बांसगांव थाना क्षेत्र हरनही चौकी अंतर्गत घईसरा गांव से सहजनवा थाना क्षेत्र टीकू पट्टी बनिया बारी भीटी रावत गांव बारात गई थी वहां आर्केस्ट्रा को लेकर सतीश पुत्र बिहारी व बारात गए नंदू के दामाद इंदल के बीच कहासुनी के गई। तभी गांव वालों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया बरात से घर वापस आ रहे हैं सतीश पुत्र बिहारी जैसे ही सजनवा थाना क्षेत्र के इंडियन आयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे पीछा करते आ रहे बोलेरो सवारों ने मनीष की दो पहिया वाहन रोककर चाकू व राड डंडे से कई बार सर पर बार कर दिया जिससे सतीश पुत्र बिहारी लहूलुहान होकर जमीन पर गिरकर तड़पने लगे बोलेरो सवारों ने सतीश का मोबाइल और पैसा निकाल कर फरार हो गए। बारात से वापस आ रहे गांव वालों ने घायल सतीश को खजनी के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां सतीश जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। डॉक्टर ने बताया की घायल को हॉस्पिटल लाने में लेट हो जाती तो सतीश की जान को खतरा हो सकती थी। सतीश के सर पर 38 टांके लगे हुए हैं होश आने पर सतीश ने बताया हमारे चाचू के दमाद के 5-6 साथियों ने मेरी गाड़ी रोक कर मुझे चाकू और राड से पीटने लगे जिससे मैं अचेत हो गया। घटना 12:00 से 12:30 के बीच की है।

घर वालों ने हरनहीं चौकी में पहुंचकर मुकदमा पंजीकृत करने के लिए गुहार लगाई– चौकी इंचार्ज ने कहा घटना मेरे चौकी थाना क्षेत्र का नहीं है सहजनवा थाने का है आप लोग सजनवा थाने में तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत कराइए चौकी इंचार्ज अखिलेश तिवारी ने कहा घायल सतीश का घर मेरे चौकी थाना क्षेत्र में है घरवालों को बुलाकर पूछताछ की जाएगी जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वही पीड़ित की मां का कहना है सहजनवा थाना व गीडा थाना बार-बार एक दूसरे थाने पर भेज रही है लेकिन हमारी तहरीर नहीं ले रही हैं।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं